www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 31 अगस्त 2026
वर्ष: 17
अंक: 115 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मुंबई में गणेश चतुर्थी से पहले ही हुआ बप्पा का आगमन

खेरानी चा राजा पांडाल की धूम, भक्तिमय हो गया है शहर

लालबागचा राजा सहित कई प्रसिद्ध पंडालों में उमड़ेगी भीड़

मुंबई (एजेंसी)। गणेश चतुर्थी.. इस त्योहार की तैयारी महीनों पहले ही शुरू हो जाती है और गणपति बप्पा के स्वागत का इंतजार करते हुए शहर का जोश और उत्साह एक अलग ही स्तर पर पहुंच जाता है। हर बार की तरह इस बार भी खेरानी चा राजा 2026 के शानदार आगमन के साथ मुंबई भक्ति के रंग में रंग गई है। धूम-धाम से हो रहे जश्न से लेकर गणपति बप्पा मोरया के जयकारों तक पूरा शहर उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है और भक्त

बप्पा का स्वागत करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। भगवान गणेश की भव्य और सुंदर मूर्ति का स्वागत करने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा होती दिखी।

भक्ति के उत्सव में बदल देता है त्योहार

10 दिनों तक चलने वाला यह त्योहार मुंबई को रंगों, संगीत और भक्ति के उत्सव में बदल देता है। इन दिनों में लोग बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए अलग-अलग पंडालों में जाते हैं। यह उत्सव इतना भव्य होता है कि भक्त अपने प्रिय बप्पा की एक झलक पाने के लिए घंटों और कभी-कभी उससे भी ज्यादा समय तक इंतजार करते हैं।

ऋषिकेश में 16 वर्षीय किशोरी से होटल में दुष्कर्म

ऋषिकेश। कोतवाली ऋषिकेश क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर घर से ले जाने और होटल में उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। किशोरी के परिजन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अपहरण और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह किशोरी के परिजन कोतवाली पहुंचे और लिखित शिकायत दी। परिजनों ने आरोप लगाया कि शनिवार को एक व्यक्ति उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि इसके बाद वह किशोरी को एक होटल में लेकर गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी। वरिष्ठ उपनिरीक्षक नवीन जोशी के अनुसार, पुलिस टीम के साथ फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस ने आरोपित की पहचान कर संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया है। जांच के दौरान घटनास्थल, उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों को खंगाला जा रहा है। पुलिस किशोरी के बयान समेत मामले से जुड़ी अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर रही है।

पंचतत्व में विलीन हुए साहित्यकार बल्लभ डोभाल

निगमबोध घाट पर साहित्य, संस्कृति और कला जगत की हस्तियों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। वरिष्ठ साहित्यकार बल्लभ डोभाल का अंतिम संस्कार रविवार को दिल्ली के निगमबोध घाट पर किया गया। साहित्य, संस्कृति, कला और पत्रकारिता जगत से जुड़ी अनेक हस्तियों की मौजूदगी में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। उनके निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर है।वयोवृद्ध साहित्यकार बल्लभ डोभाल के पुत्र प्रकाश डोभाल और कैलाश डोभाल ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान बड़ी संख्या में साहित्यकार, पत्रकार और उनके शुभचिंतक मौजूद रहे। सभी ने उनके साहित्यिक योगदान और हिन्दी साहित्य में उनकी विशिष्ट पहचान को याद किया।वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार प्रोफेसर प्रदीप कुमार वेदवाल ने बताया कि बल्लभ डोभाल का निधन हिन्दी साहित्य के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि डोभाल ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज, संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी।अंतिम संस्कार में पंकज बिष्ट, महेश दर्पण, राजा खुगशाल, भगवती प्रसाद डोभाल, डॉ. रोशन गौड़, कैलाश धूलिया, रमेश ध्यानी और राजेश डंडरियाल सहित अनेक साहित्यकार एवं पत्रकार उपस्थित रहे। उन्होंने बल्लभ डोभाल के लेखन को हिन्दी साहित्य में अमूल्य योगदान बताते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

देश-विदेश से पहुंच रही संवेदनाएं

बल्लभ डोभाल की पुत्री प्रभा थपलियाल ने बताया कि पिता के निधन का दुखद समाचार मिलने के बाद देश-विदेश से उनके चाहने वालों के शोक संदेश और टेलीफोन के माध्यम से संवेदनाएं लगातार प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने अपने साहित्य के माध्यम से पाठकों के बीच जो स्थान बनाया, वह हमेशा स्मरणीय रहेगा। पिता के साहित्यिक संसार को याद करते हुए प्रभा थपलियाल ने उनकी विभिन्न रचनाओं से जुड़ी स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने 'तिब्बत की बेटी' सहित अनेक उपन्यासों के रचनाकाल और उनके प्रकाशन के दौर की यादों का उल्लेख किया। इसके साथ ही उन्होंने बल्लभ डोभाल की अन्य पुस्तकों और उनके साहित्यिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों को भी याद किया। बल्लभ डोभाल का निधन हिन्दी साहित्य के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अवसान है। निगमबोध घाट पर पंचतत्व में विलीन हुए साहित्यकार की रचनाएं और उनका साहित्यिक अवदान आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी स्थायी विरासत बने रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गलत सोच इंसान को जानवरों के करीब ले जाती है

संघ चीफ बोले-भारत के डीएनए में है एकता व विविधता

न्यूयार्क (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में शनिवार रात करीब 42 मिनट स्पीच दी। उन्होंने कहा कि एकता और विविधता भारत के डीएनए में है। लोग अलग दिखते हैं, उनके रहने के तरीके हैं, लेकिन सभी के बीच एक जन्मजात जुड़ाव है। भागवत ने कहा-विविधता में एकता भारत की पारंपरिक सोच है और देश

समय-समय पर पूरी दुनिया को इसका एहसास कराता रहा है। उन्होंने आगे कहा- सोचने की क्षमता इंसान के लिए एक वरदान है। सही सोच इंसान को भगवान के करीब ले जाती है, जबकि गलत सोच उसे जानवरों के करीब ले जाती है। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम में 5,000 से ज्यादा भारतीय मूल के अमेरिकी शामिल हुए। इसका आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग ने किया। कार्यक्रम में 30 देशों के 180 धार्मिक नेता पहुंचे थे।

धर्म सिर्फ पूजा नहीं, जीवन को संतुलित रखने का नियम- भागवत ने कहा कि भारत में जिस सिद्धांत को धर्म कहा जाता है, उसे सिर्फ धर्म या पूजा के तौर पर नहीं समझना चाहिए। धर्म वह व्यवस्था है जो ब्रह्मांड और जीवन को संभालती है। यह जीवन की अलग-अलग स्थितियों के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

लियोनी मेसी इवेंट विवाद

टिकट खरीदने वालों का पैसा होगा रिफंड

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी के शासनकाल में हुए वर्ल्ड फेमस फुटबॉलर लियोनी मेसी के कार्यक्रम के टिकट खरीदने वाले फैंस का वापस करने का ऐलान किया है। 2025 में कोलकाता के युवा भारती स्टेडियम में फुटबॉलर मेसी का इवेंट आयोजित किया गया

था, जिसमें अव्यवस्था के लिए सरकार के लिए काफी आलोचना हुई थी। इस अव्यवस्था के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार के खेल मंत्री अरूप बिस्वास को जिम्मेदार बताया गया था। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि राज्य के खेल बजट से टिकट का पैसा वापस करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही 33 हजार फैंस को पैसा रिफंड हो जाएगा।

खिलाड़ियों को दी गई नियुक्ति- मेजर ध्यानचंद की जयंती के मौके पर नबन्ना में आयोजित एक विशेष नेशनल स्पोर्ट्स डे इवेंट में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि लियोनी मेसी के बहुत सारे फैंस हैं। उन्होंने 4,000 रुपये और 6,000 रुपये के टिकट खरीदे थे। मेरी इच्छा है कि इन 33,000 फैंस के पैसे को वापस किया जाए। मैंने पहले ही अंदरूनी तौर पर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

श्रीलंका से छिनी पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप,अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

दुबई (एजेंसी)। 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है।

अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है।

आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है।

ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने मेजबानी हटाए जाने की पुष्टि की है।

उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर होगा, लेकिन नए मेजबान का फैसला अभी नहीं हुआ है। आईसीसी श्रीलंका में जल्द चुनाव कराने और निर्वाचित क्रिकेट बोर्ड बहाल करने की मांग कर रहा है। ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में शामिल होने की अनुमति भी नहीं है।

श्रीलंका की मेजबानी में 6 टीमें खेलनी थीं

महिला चैंपियंस ट्रॉफी 14 से 28 फरवरी 2027 तक टी-20 फॉर्मेट में खेला जाना है। इसमें 6 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान होने के कारण श्रीलंका को सीधे टूर्नामेंट में जगह मिलनी थी। अब मेजबान बदलने के बाद उसकी भागीदारी पर भी सवाल खड़ा हो गया है। श्रीलंका फिलहाल महिला वनडे रैंकिंग में छठे स्थान पर है। आईसीसी ने अभी नई क्वालिफिकेशन व्यवस्था स्पष्ट नहीं की है। टूर्नामेंट दूसरे देश में जाने से श्रीलंका को क्रिकेट के साथ आर्थिक नुकसान भी होगा। टीमों, अधिकारियों और दर्शकों के आने से होटल और पर्यटन कारोबार को फायदा मिलना था। ब्रॉडकास्टिंग और आयोजन से होने वाली कमाई का हिस्सा भी श्रीलंका को नहीं मिलेगा। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट के लिए मिलने वाले आयोजन से जुड़े अवसर भी खत्म हो जाएंगे। सरकारी दखल को लेकर श्रीलंका पहले भी आईसीसी की कार्रवाई झेल चुका है।

गंभीर मामलों में न्यायपालिका संसद का इंतजार नहीं करती

सीजेआई सूर्यकांत बोले-डिजिटल अरेस्ट पर खुद संज्ञान लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे नए तरह के फ्रॉड पर संसद के कानून बनाने का इंतजार करने के बजाय सक्रिय रूप से कार्रवाई करती है। उन्होंने शनिवार को लंदन में 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 'डिजिटल अरेस्ट' स्कैम पर स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों से धोखाधड़ी करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में डिजिटल अरेस्ट के एक मामले में स्वतः संज्ञान लिया था। कोर्ट ने केंद्र और राज्यों से इस समस्या के स्तर का आंकलन करने, अलग अपराध बनाने और नुकसान के अनुपात में सजा तय करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था। सूर्यकांत ने कहा कि ईडी जैसी व्यवस्थाएं पूरी तरह अचूक नहीं हैं।

गिरफ्तारी के कारण लिखित में देना जरूरी

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में देना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अरविंद केजरीवाल बनाम सीबीआई मामले का भी जिक्र किया और कहा कि लंबे समय तक मुकदमे से पहले हिरासत में रखना सजा में नहीं बदलना चाहिए। सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है।

अब बारिश बनी आफत नहीं मिल रही कोई राहत

एमपी के चित्रकूट में होटलों में फंसे लोग,हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। पटना का दीघा घाट डूब चुका है। वहीं, बगहा के डुमरिया घाट पर गंडक नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से करीब 26 फीट ऊंची बह रही है।

घाट किनारे करीब 400 दुकानें डूब चुकी हैं। लोग घरों और होटलों में फंसे हैं। 2 हेलीकॉप्टर के साथ एनडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। राजस्थान में जयपुर समेत 15 शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। इस साल मानसून के कमजोर रहने के कारण जयपुर सहित 17 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरण

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती परिसंचरण और मानसून ट्रफ लाइन के प्रभाव से रीवा संभाग में बारिश जारी रहने की संभावना है। प्रशासन अलर्ट मोड पर है। तटीय और निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए गए हैं।

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे 898 कर्मचारी

नेपाल में संकट, छह इंच छेद कर पाइप से पहुंचाई हवा

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके। 26 अगस्त को नेपाल की भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में अचानक बाढ़ आ गई थी। इस आपदा में नेपाल में अब तक 752 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। अब तक सुरंग के सामने वाले हिस्से में चार छेद किए जा चुके हैं। अब इसी रास्ते से सुरंग के अंदर जाकर फंसे लोगों की तलाश और उन्हें बाहर निकालने का काम आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

आधी रात हिरासत में लिए गए आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार

2 दिन की मैराथन पूछताछ के बाद कर्नाटक सीआईडी का ऐक्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक से बड़ी खबर सामने आई है। आईएएस अफसर ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को हिरासत में ले लिया गया है। सीआईडी ने वेटनरी ऑफिसर (पशु चिकित्सा अधिकारी) के लिए कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन की भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले में आईएएस अफसर को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार से सीआईडी ने लगातार 9 घंटे की कड़ी पूछताछ की थी। उनसे यह पूछताछ शुक्रवार से शुरू हुई थी। उसके बाद दूसरे दिन शनिवार को भी अधिकारियों से पूछताछ की और रविवार को उन्हें हिरासत में लिया गया। ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार को सीआईडी ने नोटिस जारी करके पूछताछ के लिए बुलाया था। वह शुक्रवार को जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए। लगातार पूछताछ के बाद उन्हें शनिवार को फिर बुलाया गया। शनिवार को आईएएस ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार से लगातार नौ घंटे पूछताछ हुई।

मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य पुरस्कार

यूरेनियम सप्लाई पर भी दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

ताशकंद (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की है। इस दौरान राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने पीएम नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च राज्य पुरस्कार ओली दाराजली डस्टलिक से सम्मानित किया। पीएम मोदी ने अवार्ड के लिए शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि आज हम तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट समझौतों को औपचारिक रूप दे रहे हैं। आपके देश में न्यू ताशकंद जैसे बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जबकि भारत में हमने गुजरात में गिफ्ट सिटी विकसित की है। इन विकास कार्यों में अपनाई गई बेहतरीन प्रक्रियाओं और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को समझने के लिए उज्बेक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए हमें खुशी होगी। पीएम मोदी ने इस

दौरान बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि हम यूरेनियम की सप्लाई के लिए एक लंबी अवधि की व्यवस्था भी करेंगे। यूरेनियम पर दोनों देशों के बीत समझौता काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष हम अपनी रणनीतिक साझेदारी की 15वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

मोदी ने की उज्बेकिस्तान की तारीफ

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैंने आपकी किताब देखी। इसमें आपने हमारे आपसी आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख क्षेत्रों में कई प्रोजेक्ट्स की पहचान की है और आगे बढ़ने के लिए एक समय-सीमा तय की है। मैं इस पहल की सराहना करता हूं।

करगी ग्रांट में हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा का विरोध

देहरादून। राजधानी देहरादून के करगी ग्रांट क्षेत्र में रविवार को उस समय माहौल गरमा गया, जब हिंदू रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष ललित शर्मा अपने समर्थकों के साथ एक स्थानीय व्यक्ति इमरान खान के विरोध को लेकर क्षेत्र में पहुंचे। उनके पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर एकत्रित हो गए और विरोध जताते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि इससे एक दिन पहले हिंदू रक्षा दल की ओर से इमरान खान के घर पहुंचकर विरोध किए जाने की बात सामने आई थी। इसी घटनाक्रम के बाद हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करगी ग्रांट पहुंचने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।

स्थानीय लोगों ने किया विरोध

हिंदू रक्षा दल के लोगों के करगी ग्रांट पहुंचने के बाद स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। देखते ही देखते मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। लोगों ने नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और बाहरी लोगों के इस तरह क्षेत्र में पहुंचने पर सवाल उठाए। मौके के हालात को देखते हुए कुछ समय के लिए क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों का कहना था कि किसी भी विवाद को बढ़ने से पहले प्रशासन को मामले में हस्तक्षेप कर शांति व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

विवाद की वजह को लेकर चर्चाएं तेज

इमरान खान को लेकर शुरू हुए इस विरोध के पीछे की वास्तविक वजह क्या है, इसे लेकर क्षेत्र में अलग-अलग चर्चाएं हैं। हालांकि, पूरे मामले में सामने आए आरोपों और दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी स्पष्ट रूप से नहीं हुई है। मामले का दूसरा पहलू भी सामने आना जरूरी है, ताकि विवाद की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सके। प्रशासन और पुलिस की ओर से मामले को लेकर क्या तथ्य सामने रखे जाते हैं, इस पर भी नजर बनी हुई है।

13 सितंबर को तय होगी उमा देवी की बन्याथ यात्रा की तिथि

पोखरी (चमोली)। तीसजूला क्षेत्र की आराध्य देवी उमा देवी डुंगर मंदिर की बन्याथ यात्रा की तैयारियों को लेकर चांदनीखाल में मंदिर समिति की बैठक हुई। बैठक में यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही तय किया गया कि बन्याथ यात्रा की तिथि पर निर्णय लेने के लिए 13 सितंबर को दोबारा बैठक आयोजित की जाएगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष मातबर सिंह नेगी ने बताया कि 13 सितंबर को होने वाली बैठक में तीसजूला क्षेत्र के 30 गांवों के ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य और स्थानीय लोग शामिल होंगे। सभी की राय और सहमति के आधार पर उमा देवी की बन्याथ यात्रा की तिथि निर्धारित की जाएगी साथ ही तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस मौके पर गजेंद्र नेगी, तेजराम भट्ट, गोपाल सिंह रमोला, राजबर नेगी, त्रिलोक सिंह, रणजीत सिंह, जसपाल, हर्षवर्धन राणा आदि मौजूद रहे।

जंगल में चारा लेने गई महिला पर भालू का हमला

टिहरी गढ़वाल। जौनपुर विकासखंड क्षेत्र में रविवार सुबह जंगल में चारा-पत्ती लेने गई एक महिला पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। हमले में महिला के सिर, पैर, नाक और मुंह पर गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को बेहतर इलाज के लिए देहरादून रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, धनोल्टी तहसील की ग्राम पंचायत दबाली निवासी सुलैना देवी रविवार सुबह चार अन्य महिलाओं के साथ वन विभाग की चौकी के समीप जंगल में पशुओं के लिए घास और चारा-पत्ती लेने गई थीं। बारिश के बीच महिलाएं जंगल में घास एकत्र कर रही थीं, तभी अचानक पीछे से आए भालू ने सुलैना देवी पर हमला कर दिया। भालू ने महिला को जमीन पर गिरा दिया और पंजों से उनके सिर, चेहरे, नाक और पैर पर हमला किया। महिला की चीख सुनकर साथ गई अन्य महिलाएं मौके पर पहुंचीं। उन्होंने शोर मचाने के साथ दरांतियों की मदद से भालू को पीछे हटने पर मजबूर किया। महिलाओं के साहस के बाद भालू घायल महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल सुलैना देवी को जंगल से बाहर निकालकर स्थानीय सरकारी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर चोटों के चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें देहरादून रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

ग्रामीणों में दहशत

भालू के हमले के बाद दबाली और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, आबादी से सटे जंगलों में वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि चारा-पत्ती के लिए महिलाओं को अक्सर जंगल जाना पड़ता है, ऐसे में वन्यजीवों की बढ़ती गतिविधियां चिंता का विषय हैं।

एक नजर

खाद्य सुरक्षा विभाग का दुकानों पर छापा

देहरादून। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से रविवार को ओसिस कॉम्प्लेक्स और प्रेमनगर क्षेत्र की कई दुकानों में छापा मारा गया। इस दौरान कमियां मिलने पर सात खाद्य सामग्रियों के नमूने लेकर जांच के लिए रुद्रपुर स्थित लैब में भेजे गए हैं। पांच कारोबारियों को नोटिस थमाया गया है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय और जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देश पिछले कई दिनों से अभियान चलाया जा रहा है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा मनीष सयाना ने बताया कि ओसिस कॉम्प्लेक्स स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। संदेह के आधार पर टोंड मिल्क, मसाले और चीज समेत चार खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। खाद्य कारोबारियों को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन करने को कहा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई। इस दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश सिंह, संतोष कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर से चरस लेकर आया युवक गिरफ्तार

देहरादून। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में नेहरू कॉलोनी पुलिस ने 511 ग्राम चरस के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह सहारनपुर के देवबंद से चरस लेकर देहरादून पहुंचा था और इसे स्थानीय लोगों को बेचने की फिराक में था। पुलिस की चेकिंग के दौरान वह अंडरपास के पास पकड़ा गया।

पुलिस के अनुसार, 29 अगस्त की रात नेहरू कॉलोनी थाना पुलिस बाईपास फ्लाईओवर अंडरपास के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 511 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी की पहचान रिहान (30) निवासी पठानपुरा खंड-4, देवबंद, सहारनपुर के रूप में हुई। पुलिस जांच में आरोपी का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। वह वर्ष 2024 में दिल्ली क्राइम ब्रांच के एनडीपीएस एक्ट के मामले में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ थाना नेहरू कॉलोनी में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

भजन संध्या में शिव-पार्वती विवाह की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

देहरादून। प्राचीन टपकेश्वर महादेव की शोभायात्रा रविवार को भंडारे और भजन संध्या के साथ संपन्न हो गई। श्री टपकेश्वर महादेव सेवा दल की ओर से दोपहर में कुष्ठ आश्रम, चंदर रोड पर भंडारे का आयोजन किया गया। जबकि शाम को पार्क रोड स्थित एक विवाह स्थल पर भजन संध्या का आयोजन किया।

भजन संध्या में मुंबई से आए गायक शेखर जायसवाल एंड ग्रुप ने प्रस्तुति दी। इस दौरान शिव-पार्वती विवाह की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। गायक शेखर जायसवाल एंड ग्रुप ने सर्वप्रथम गणेश वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद भगवान भोले नाथ की महिमा और 12 ज्योतिर्लिंगों का भजन गाया।

कलाकारों ने लोक नृत्य- मयूर डांस और भगवान शिव पार्वती विवाह की झांकी निकाली। कार्यक्रम में साधु-संतों ने भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर महंत कृष्ण गिरी महाराज, दिगंबर भरत गिरी, गोपाल गुप्ता, महेश खंडेलवाल, मुकेश गुप्ता, अनुज गुप्ता, आशीष गुप्ता, रजनीश यादव, राम माटा, विनय वर्मा आदि मौजूद रहे।

15 लाख के जेवर चोरी का खुलासा

भवाली ,कोतवाली पुलिस ने 15 लाख रुपये से अधिक के जेवर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए करीब 12 तोला सोने के आभूषण बरामद किए हैं। आरोपी को रविवार को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी रविकांत सेमवाल ने बताया कि गैराड़ी लटवाल, पोस्ट मौना निवासी उमा लटवाल ने अपने घर से सोने के जेवर चोरी होने की तहरीर भवाली कोतवाली में दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। जांच के दौरान पुलिस ने जितेंद्र सिंह लटवाल पुत्र पूरन सिंह लटवाल, निवासी गैराड़ी लटवाल, पोस्ट मौना को गिरफ्तार किया।

क्या उत्तराखंड क्रांति दल फिर दोहरा पाएगा अपना इतिहास?

देहरादून। उत्तराखंड की क्षेत्रीय राजनीति में कभी अलग पहचान रखने वाले उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) में इन दिनों संगठनात्मक उठापटक ने सियासी चर्चाओं को तेज कर दिया है।

पार्टी की केंद्रीय अनुशासन समिति ने पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष आशुतोष नेगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। 27 अगस्त 2026 को जारी आदेश में उनकी प्राथमिक सदस्यता पर भी तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की गई है।

पार्टी की ओर से नेगी पर सोशल मीडिया और अन्य सार्वजनिक

माध्यमों में कथित तौर पर भ्रामक एवं तथ्यहीन बयानबाजी, वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों और दल-विरोधी गतिविधियों के आरोप लगाए गए हैं। पार्टी के अनुसार, उन्हें पहले भी नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा गया था, लेकिन नेतृत्व के मुताबिक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

पहले छीना गया था केंद्रीय उपाध्यक्ष का पद

आशुतोष नेगी के खिलाफ यह पहली बड़ी संगठनात्मक कार्रवाई नहीं है। इससे पहले यूकेडी ने उन्हें केंद्रीय उपाध्यक्ष और अन्य संगठनात्मक जिम्मेदारियों से मुक्त किया था। इसके बाद अब छह वर्ष के निष्कासन का फैसला सामने आया है। नेगी रायपुर विधानसभा क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में सक्रिय बताए जा रहे थे। ऐसे में चुनावी तैयारियों के बीच उनका निष्कासन यूकेडी के लिए संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अंकिता भंडारी प्रकरण के बाद बने थे चर्चित चेहरा

आशुतोष नेगी अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर प्रदेशभर में चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने उत्तराखंड के विभिन्न जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी सक्रियता बढ़ाई। वर्ष 2024 में उन्होंने यूकेडी की सदस्यता ग्रहण की और पार्टी के टिकट पर गढ़वाल लोकसभा सीट से चुनाव भी लड़ा। बाद में उन्हें पार्टी में केंद्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई।

नेगी की सक्रियता से यूकेडी के साथ युवाओं के जुड़ने की चर्चा भी हुई। यही वजह है कि मौजूदा कार्रवाई को केवल एक नेता के निष्कासन के तौर पर नहीं, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यूकेडी के संगठनात्मक भविष्य से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

यूकेडी के सामने सबसे बड़ा सवाल-क्या फिर लौटेगा पुराना जनाधार?

उत्तराखंड क्रांति दल का इतिहास राज्य आंदोलन से गहराई से जुड़ा रहा है। वर्ष 1979 में स्थापित यूकेडी ने पृथक उत्तराखंड राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। राज्य गठन के बाद शुरुआती चुनावों में पार्टी ने विधानसभा में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और एक समय वह प्रदेश की राजनीति में तीसरी ताकत के तौर पर देखी जाती थी। लेकिन समय के साथ पार्टी का चुनावी प्रभाव लगातार कमजोर हुआ।

विक्रम शर्मा हत्याकांडः नए सिरे से काम करेगी दून पुलिस

देहरादून।सिल्वर सिटी मॉल के पास हुए कुख्यात गैंगस्टर और जमशेदपुर के हिस्ट्रीशीटर विक्रम शर्मा हत्याकांड की जांच में दून पुलिस अब नए सिरे से सक्रिय होगी। मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें झारखंड से लेकर पश्चिम बंगाल तक दबिश देंगी।

एसएसपी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर मामले की समीक्षा की और फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए अलग-अलग टीमें गठित करने के निर्देश दिए।13 फरवरी को राजपुर रोड स्थित सिल्वर सिटी मॉल के पास जिम से वर्कआउट कर लौट रहे कुख्यात गैंगस्टर विक्रम शर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया कि शूटर वारदात से पहले हरिद्वार के एक होटल में रुके थे। पुलिस जांच में व्यापारी राजकुमार के बेटे यशराज सिंह को हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता बताया गया।

आरोप है कि उसने शूटरों की फंडिंग करने के साथ ही उनके आने-जाने और वारदात के बाद फरार होने की व्यवस्था की थी। शूटरों को वाहन उपलब्ध कराने और यूपीआई के जरिए लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था करने के आरोप में राजकुमार और गलगोटिया विश्वविद्यालय के छात्र मोहित उर्फ अक्षत ठाकुर को गिरफ्तार किया गया था।

नेपाल आपदा के मृतकों को गल्जवाड़ी में दी श्रद्धांजलि

देहरादून। नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की आत्मिक शांति के लिए इंदिरा नगर स्थित गांव गल्जवाड़ी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। ग्राम की पूर्व प्रधान लीला शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने 108 दीपक जलाकर दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दीप प्रज्वलन के दौरान माहौल गमगीन हो गया।

पूर्व प्रधान लीला शर्मा ने कहा कि नेपाल में हुई त्रासदी ने सभी को झकझोर दिया है। निर्दोष लोगों और बच्चों की मौत बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारतीय समाज पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। सभा में उपस्थित ग्रामीणों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और नेपाल के प्रभावित क्षेत्रों में जल्द हालात सामान्य होने की कामना की। कार्यक्रम में विमला छेत्री, गोयम छेत्री, बेल कुमारी, मणि कुमारी, बेबी, मनीषा, लाल माया, रूपा देवी, प्रमिता, गंगा देवी और सीता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तराखंडः विभागों को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश

देहरादून। राज्य में स्थित ग्लेशियर झीलों से संभावित खतरे और लगातार हो रही बारिश के मद्देनजर आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने सभी संबंधित विभागों को 24.7 अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्लेशियर झीलों की निगरानी और जोखिम न्यूनीकरण के लिए विश्वभर में उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड भौगोलिक दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखते हुए ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों में होने वाले बदलावों की वैज्ञानिक निगरानी बेहद जरूरी है। मंत्री ने निर्देश दिए कि ग्लेशियर झीलों की निरंतर और रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाए। झीलों के जलस्तर, आकार, जलभराव की स्थिति और उनमें होने वाले संभावित बदलावों पर लगातार नजर रखी जाए। इसके लिए सैटेलाइट इमेजरी, रिमोट सेंसिंग, ड्रोन, सेंसर आधारित निगरानी और अन्य आधुनिक तकनीकों की संभावनाओं का अध्ययन कर आवश्यकता के अनुसार उनका उपयोग किया जाए। उन्होंने ग्लेशियर झीलों की निगरानी के लिए संबंधित विभागों, विशेषज्ञ संस्थानों और तकनीकी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। जहां आवश्यक हो, वहां अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किए जाएं, ताकि किसी भी असामान्य स्थिति का समय रहते पता लगाया जा सके और संभावित प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पहले से सतर्क किया जा सके।

बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने हर स्थिति पर लगातार नजर रखने और आपात परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र को सभी जनपदों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा।

मदन कौशिक ने प्रदेश में लगातार हो रही वर्षा और उससे उत्पन्न परिस्थितियों की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनजीवन की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभाग पूर्ण समन्वय के साथ 24.7 अलर्ट मोड पर काम करें। उन्होंने राज्यभर में वर्षा की स्थिति, नदियों के जलस्तर, बंद सड़कों, भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, संचार व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी ली। विभिन्न जनपदों में हुई वर्षा, संभावित मौसम पूर्वानुमान और आगामी दिनों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने हर स्थिति पर लगातार नजर रखने और आपात परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र को सभी जनपदों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने को कहा।

चार शिक्षाविदों को मिली विद्या-वाचस्पति एवं 'विद्या-सागर' मानद उपाधि

हरिद्वार , दिव्य गंगा मिशन हरिद्वार के तत्वावधान में काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में उत्तराखंड के चार शिक्षाविदों को शिक्षा, साहित्य, संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विद्या-वाचस्पति (मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया। समारोह में देशभर से आए विद्वानों, शिक्षाविदों एवं साहित्यकारों की उपस्थिति में डॉ. सुनीता डंडरियाल विद्यासागर, आचार्य सिद्धार्थ नैथानी, श्रीमती शोभा तिवाड़ी तथा श्रीमती लक्ष्मी चौहान को 'विद्या-वाचस्पति' सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सम्मानित शिक्षाविद् अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक जागरूकता तथा भारतीय मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से डीएवी पब्लिक स्कूल, कोटद्वार के हिन्दी एवं संस्कृत शिक्षक आचार्य सिद्धार्थ नैथानी 'विद्यासागर' द्वारा हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार, विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई।

वक्ताओं ने कहा कि डॉ. सुनीता डंडरियाल विद्यासागर ने शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

वहीं श्रीमती शोभा तिवाड़ी एवं श्रीमती लक्ष्मी चौहान को सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता तथा समाजहित में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के उपरांत सभी सम्मानित शिक्षाविदों ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुओं, अभिभावकों, सहयोगियों एवं विद्यार्थियों को दिया।

इलेक्ट्रिक बस चालकों के समर्थन में उतरा उक्रांद

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल महानगर देहरादून ने स्मार्ट सिटी के तहत संचालित इलेक्ट्रिक बसों के चालकों के कथित मानसिक उत्पीड़न, भेदभावपूर्ण व्यवहार और मनमाने ढंग से सेवा समाप्त किए जाने के विरोध में संघर्ष का ऐलान किया है। दल का आरोप है कि स्थानीय चालकों को ड्यूटी आवंटन और रूट निर्धारण में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।कई चालकों को बिना उचित पूर्व सूचना, स्पष्टीकरण अथवा निष्पक्ष जांच के सेवा से हटाए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उक्रांद के केंद्रीय महामंत्री राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि स्थानीय युवाओं के रोजगार और सम्मान के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्मार्ट सिटी प्रबंधन और संबंधित ठेका कंपनी से चालकों की समस्याओं के समाधान के लिए वार्ता की मांग की।महानगर अध्यक्ष प्रबीन चंद रमोला ने कहा कि उक्रांद चालकों के हक और रोजगार की सुरक्षा के लिए उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सेवा समाप्त किए गए कर्मचारियों के मामलों की निष्पक्ष जांच और ड्यूटी व रूट आवंटन में पारदर्शिता होनी चाहिए। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर उन्होंने आंदोलन और चक्का जाम जैसे लोकतांत्रिक कदम उठाने की चेतावनी दी।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौके पर मौत

लालकुआं , कोतवाली क्षेत्र के हल्दूचौड़ मुख्य चौराहे पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की जान चली गई। बताया जा रहा है कि युवक स्कूटी से मुख्य सड़क पार कर रहा था तभी तेज रफ्तार डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान कमल पांडे पुत्र पूरन पांडे निवासी हिम्मतपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही लालकुआं कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीएम धामी ने सुना मन की बात कार्यक्रम का 137वां संस्करण

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कुंवावाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 137वें संस्करण को सुना। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और अभिनव प्रयासों को देश-दुनिया के सामने लाने का प्रभावी माध्यम बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और नशा मुक्त युवा-विकसित भारत के संकल्प को जन-आंदोलन बनाने का संदेश दिया है। नशा मुक्त युवा ही सशक्त और विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान से युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ने के साथ ही स्वस्थ, सकारात्मक और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित युवा शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक रोचक एवं सरल तरीके से पहुंचाने के लिए किए जा रहे अभिनव प्रयासों का भी उल्लेख किया। ऐसे प्रयास युवाओं को देश के समृद्ध इतिहास से जोड़ने के साथ ही उनमें अपनी संस्कृति, विरासत और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना को और मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ह्यमन की बातह्न के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे असाधारण कार्यों, नवाचारों और जनभागीदारी के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान प्रदान कर रहे हैं। इससे समाज के अन्य लोगों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है।

बरसात में खूंखार हुए कुत्ते, राहगीरों को कर रहे जख्मी

कोटद्वार शहर की सड़कों पर घूमता कुत्तों का झुंड

वर्षाकाल में बढ़ रही आक्रामकता

विशेषज्ञों के अनुसार वर्षाकाल में भीगने, त्वचा संबंधी समस्याओं और उमस के कारण कुत्तों के व्यवहार में बदलाव आ सकता है। बारिश के दौरान कुत्ते सूखे और छायादार स्थानों की तलाश में रहते हैं। अचानक तेज धूप निकलने और उमस बढ़ने से भी वे परेशान हो सकते हैं। ऐसे में उनके आक्रामक होने की आशंका रहती है। चिकित्सकों के अनुसार कुत्ते के काटने की स्थिति में घाव को तत्काल साफ पानी और साबुन से अच्छी तरह धोने के बाद चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए। एंटी-रेबीज वैक्सीन को लेकर किसी तरह की लापरवाही नही बरतनी चाहिए। लोगों को विशेषकर कुत्तों के झुंड के पास जाने से बचने और बच्चों को उनसे दूरी बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

कोटद्वार बेस अस्पताल में लगातार बढ़ रही इंजेक्शन लगाने वालों की संख्या

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर की सड़कों और मोहल्लों में झुंड के रूप में घूम रहे कुत्ते राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। स्थिति यह है कि बेस चिकित्सालय में रोजाना चार से पांच लोग कुत्ते के काटने के बाद एंटी-रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। इनमें बच्चों और युवाओं की संख्या भी काफी है। वहीं, कई लोग निजी अस्पतालों में भी उपचार करा रहे हैं। बरसात के मौसम में बदलता कुत्तों का व्यवहार लोगों के लिए चिंता का विषय बना है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो, जहां आवारा कुत्तों के झुंड नजर न आते हों। बाजार क्षेत्र से लेकर भाबर और आबादी वाले इलाकों तक कुत्तों की बढ़ती संख्या ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आए दिन कुत्तों के हमले की घटनाएं सामने आने के बावजूद नगर निगम की ओर से समस्या के समाधान को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर कई बार नगर निगम और प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है। कुछ दिन पूर्व भाबर क्षेत्र के लोगों ने भी कुत्तों की समस्या को लेकर नगर निगम का ध्यान आकर्षित किया था, लेकिन अब तक स्थिति में कोई खास बदलाव नहीं आया है। इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

कुछ दिन पूर्व देवी रोड क्षेत्र में भी आवारा कुत्तों के झुंड ने एक बच्चे पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के कारण अभिभावकों में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। कुत्तों के हमले में घायल अधिकांश लोग एंटी-रेबीज वैक्सीन के लिए बेस चिकित्सालय पहुंच रहे हैं।

शिवपुर-कण्वाश्रम मार्ग पर घूम रहा गुलदार

कोटद्वार के शिवपुर मार्ग पर हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठा गुलदार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शिवपुर से कण्वाश्रम को जाने वाले मार्ग पर इन दिनों गुलदार की धमक बनी हुई है। आए दिन गुलदार मार्ग पर घूमता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में रात के समय आवागमन करने वालों को खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोग कई बार इसकी शिकायत वन विभाग से भी कर चुके हैं। लेकन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

शिवपुर-कण्वाश्रम मार्ग अधिकांश वन क्षेत्र से सटा हुआ है। यही कारण है कि इस मार्ग पर आए दिन गुलदार नजर आ रहा है। रात के समय शिवपुर के समीप कार सवारों को गुलदार घूमता हुआ नजर आया, जिसका वीडियो उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल हुआ स्थानीय लोगों का कहना है कि जंगल से सटे मार्ग पर झाड़ियां बढ़ने के कारण गुलदार की धमक भी बढ़ गई है। यही नहीं, गुलदार कई किलोमीटर आबादी के भीतर तक पहुंच रहा है कुछ सप्ताह पूर्व शिवपुर क्षेत्र में गुलदार ने घर की छत पर बैठी एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया था। यही नहीं, गुलदार अधिकांश स्ट्रीट डाग्स व पालतू कुत्तों को निवाला बना चुका है। रात के अंधेरे में गुलदार कब वन्य जीवन संघर्ष की घटना को अंजाम दे दें, कहा नहीं जा सकता। कहा कि पूर्व में गुलदार को कैद करने के लिए वन विभाग को ज्ञापन भी दिया गया था। लेकिन, विभाग ने समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। कई बार गुलदार गली-मोहल्लों में घूमता हुआ भी दिखाई दिया है। कहा कि गुलदार को कैद करने के लिए क्षेत्र में पिंजरे लगाए जाने चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में जीजीआईसी मलेथा ने कब्जाई चैंपियनशिप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पंडित जगतराम गौड़ की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलेथा ने चैपिंयनशिप कब्जाई। चौरास स्थित गढ़वाल विवि के खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच राइंका धद्दी घंडियाल और राबाइंका मलेथा के मध्य खेला गया।

राबाइंका ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। राइंका धद्दी घंडियाल ने आठ ओवरों में विपक्षी टीम को 67 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राबाइंका मलेथा ने अंतिम ओवर की पांच गेद पहले ही मैच जीता। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राबाइंका मलेथा की संध्या मैन आफ द सीरीज चुनी गई जबकि राइंका धद्दी की आरुषी को बेस्ट बॉलर का खिताब मिला। इससे पूर्व हुए सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ एसडीएम कीर्तिनगर पंकज भट्ट ने किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि बालिका क्रिक्रेट प्रतियोगिता की पहल एक सराहनीय कदम है। इस मौके पर आयोजक देवेंद्र गौड़, सुबोधनी गौड़, अवधेश गौड़, क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज जोशी, प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष वासुदेव भट्ट, जयकृष्ण पैन्यूली आदि मौजूद रहे।

झील में सड़ रहा कचरा, संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा

चिन्यालीसौड़। टिहरी बांध की झील का जलस्तर करीब 822 मीटर तक पहुंच गया है और झील का पानी चिन्यालीसौड़-हिटारा क्षेत्र तक पहुंच चुका है। जलस्तर बढ़ने के साथ झील में कचरे और गंदगी की समस्या भी बढ़ रही है। चिन्यालीसौड़ बाजार और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप झील में बड़ी मात्रा में कचरा, लकड़ियां और मृत जानवरों के अवशेष जमा हैं। इनके सड़ने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है जिससे स्थानीय लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। झील में जमा गंदगी आबादी और स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक है। धूप और गर्मी बढ़ने के साथ जैविक कचरे के सड़ने की प्रक्रिया तेज होने से संक्रामक बीमारियों का खतरे की आशंका बनी है। इससे दुर्गंध के साथ मच्छरों और अन्य कीटों के पनपने का खतरा भी बढ़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते झील की सफाई नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में समस्या और विकराल हो सकती है। टिहरी झील क्षेत्र की पहचान और पर्यटन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन सफाई के अभाव में झील का किनारा गंदगी और दुर्गंध का केंद्र बनता जा रहा है। लोगों ने सवाल उठाया कि जलस्तर बढ़ने के साथ झील में जमा कचरे और मृत जानवरों के अवशेषों को हटाने की जिम्मेदारी किसकी है।

27 गांवों की सेहत 40 किमी दूर, एक्सरे का इंतजार

उत्तरकाशी। गाजणा क्षेत्र के ग्रामीणों ने धौंतरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के उच्चीकरण और एक्सरे मशीन स्थापित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के करीब 27 गांवों के लोगों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। इसके बावजूद यहां पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री जन कल्याण योजना के जिलाध्यक्ष नितिन नौटियाल, दिनेश राणा, हिमांशु नौटियाल, पुनीत नौटियाल, अवधेश नौटियाल ने बताया कि धौंतरी पीएचसी में ग्रामीणों के लिए खून की जांच की सुविधा उपलब्ध है लेकिन एक्सरे की सुविधा नहीं होने के कारण मरीजों को करीब 40 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय पहुंचना पड़ता है।

इससे गंभीर रूप से बीमार और दुर्घटना में घायल मरीजों को विशेष परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पीएचसी का उच्चीकरण किया जाना बेहद जरूरी है। अस्पताल में एक्सरे मशीन सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने से 27 गांवों की बड़ी आबादी को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार मिल सकेगा और जिला मुख्यालय की दौड़ से राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पीएचसी के उच्चीकरण के साथ एक्सरे मशीन स्थापित किए जाने की मांग की है।

विस्थापन की मांग को लेकर जारी रहा व्यापारियों का धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रेलवे स्टेशन रोड पर विस्थापन से पूर्व अतिक्रमण के नोटिस दिए जाने के विरोध में व्यापारियों का धरना 12वें दिन भी जारी रहा। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जाता और विस्थापन को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। व्यापारियों का कहना है कि वे कई वर्षों से स्टेशन रोड पर दुकानें संचालित कर छोटे-मोटे कारोबार के माध्यम से परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। लेकिन रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण के नाम पर लोक निर्माण विभाग की ओर से उन्हें दुकानें हटाने के नोटिस जारी कर दिए गए हैं। व्यापारियों का आरोप है कि बिना उनके पुनर्वास और रोजगार की व्यवस्था किए उन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है। व्यापारियों ने बताया कि मांगों को लेकर वे पिछले 12 दिनों से स्टेशन रोड पर धरना दे रहे हैं। आंदोलन के तहत बाजार बंद भी रखा गया था। इसके अलावा धरने के दौरान व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान भी बंद रखे हैं। लगातार दुकानें बंद रहने से उनका कारोबार पूरी तरह प्रभावित हो गया है और आर्थिक परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। व्यापारियों ने कहा कि यदि जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले में सकारात्मक निर्णय लेते हुए प्रभावित व्यापारियों को राहत देने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। धरने पर महेंद्र कुमार भाटिया, सुरेश भाटिया, हरीश भाटिया, प्रमोद कुमार, सुनील कुमार, जोगेंद्र भाटिया, मुख्तार अहमद और राजीव जैन मौजूद रहे।

कोटद्वार स्टेशन रोड पर धरना देते प्रभावित दुकानदार।

जंगल में फंदे से लटका मिला युवक का शव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सिद्धबली मंदिर के समीप खोह नदी से कुछ दूरी पर जंगल में रविवार सुबह एक युवक का फंदे से लटका शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की उम्र करीब 24 से 25 वर्ष बताई जा रही है। शव के पास से कोई सुसाइड नोट अथवा पहचान पत्र नहीं मिला, जिसके चलते देर शाम तक युवक की शिनाख्त नहीं हो पाई।

वरिष्ठ उपनिरीक्षक शशिभूषण जोशी ने बताया कि रविवार सुबह मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे कुछ श्रद्धालुओं ने जंगल में एक युवक का शव रस्सी के सहारे लटका देखा। श्रद्धालुओं ने इसकी सूचना मंदिर समिति को दी। मंदिर समिति की ओर से जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारा। पुलिस ने मृतक के कपड़ों और आसपास के क्षेत्र की तलाशी ली, लेकिन उसके पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज अथवा सुसाइड नोट नहीं मिला।

मृतक की उम्र करीब 24 से 25 वर्ष के बीच आंकी गई है। पुलिस ने मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और आसपास के लोगों से भी युवक के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए बेस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। साथ ही युवक की पहचान के लिए आसपास के थानों और कोतवाली से भी संपर्क किया जा रहा है। पुलिस अन्य माध्यमों से भी मृतक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है।

शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम रही विजेता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गढ़वाल विवि खेल बोर्ड एवं शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग की ओर से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रस्साकशी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम विजेता रही जबकि आर्यभट्ट छात्रावास उपविजेता रहा। महिला वर्ग में भी शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम विजेता रही और अलकनंदा छात्रावास उपविजेता रहा।

विवि के खेल विभाग के सहायक निदेशक मोहित बिष्ट ने बताया कि स्टॉफ बैडमिंटन प्रतियोगिता में एनआईटी की टीम विजेता व गढ़वाल विवि के एजुकेशन विभाग की टीम उप विजेता रही। स्कूल टीम की प्रतियोगिता में एसजीआरआर श्रीनगर विजेता और कान्वेंट स्कूल श्रीनगर की टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया।

कॉलेज टीम में महिला वर्ग में एचएनबीजीयू की टीम विजेता और एनआईटी की टीम उप विजेता रही। पुरूष वर्ग की शतरंज प्रतियोगिता में विशाल सिंह प्रथम, अभिषेक भारती द्वितीय और हर्षित सैनी तृतीय रहे। इससे पूर्व बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ बिड़ला परिसर निदेशक प्रो. हरिभजन सिंह चौहान ने किया जबकि रस्साकशी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रो. नारायण सिंह पंवार ने किया। शतरंज प्रतियोगिता के शुभारंभ के मुख्य अतिथि प्रो. मोहन सिंह पंवार रहे।

चोरी में फरार आरोपी गिरफ्तार, पांच हजार रुपये का था इनाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गाड़ीघाट क्षेत्र में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी करने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को कोटद्वार पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस से बचने का प्रयास कर रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। मामले में शामिल चार अन्य आरोपितों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

दो जुलाई को गाड़ीघाट क्षेत्र में चोरी की यह घटना हुई थी। भवन स्वामी उमेश चंद बमोला अपने परिवार के साथ पैतृक गांव गए हुए थे। अगले दिन घर लौटने पर उन्होंने देखा कि मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ है। अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी में रखी नकदी व जेवरात गायब थे। इसके बाद उन्होंने कोतवाली में तहरीर देकर चोरी की सूचना पुलिस को दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में पांच लोगों के चोरी में शामिल होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी मोहित, बरेली निवासी आमिर, कासिफ और आसिफ को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। पांचवां आरोपी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर निवासी आरिफ पुत्र मोहम्मद पुलिस की गिरफ्त से लगातार बच रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस ने उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी और आखिरकार उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित से पूछताछ कर चोरी की घटना से संबंधित अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

प्रतियोगिता में एवीएन स्कूल रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः टीसीजी पब्लिक स्कूल कोटद्वार में त्रिभुवन चंद्र घिल्डियाल की 50-वीं जयंती पर इंटर स्कूल अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एवीएन पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि लैंसडौन विधायक दलीप सिंह रावत रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों का आत्मविश्वास सराहनीय है। किसी भी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना अपने आप में जीत के समान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों में प्रतिभा और आत्मविश्वास पहले की अपेक्षा अधिक देखने को मिल रहा है। निर्णायक मंडल में राइंका श्रीकोटखाल के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा.जितेंद्र सिंह नेगी, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार के कला वर्ग के विभागाध्यक्ष डा.विनोद सिंह भंडारी और आइटी विशेषज्ञ अनिल सिंह रावत शामिल रहे। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण, तर्क क्षमता, विषय की समझ और भाषण कौशल का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में टीसीजी पब्लिक स्कूल और ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल संयुक्त रूप से प्रथम रहे। जबकि हेड हेरिटेज एकेडमी ने द्वितीय और डीएवी पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में एवीएन पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान हासिल किया। आरसीडी पब्लिक स्कूल द्वितीय रहा, जबकि टीसीजी पब्लिक स्कूल और बाल भारती स्कूल संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य नीना, शिवांगी रावत, शिवानी, नीलम नौडियाल, अमनप्रीत कौर, साक्षी, अजय खंतवाल, शुभम भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार के टीसीजी पब्लिक स्कूल में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेता

पोस्टर प्रतियोगिता में दिव्यांशी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के निर्देशन में उद्यमिता के अंतर्गत 'स्टार्टअप चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से स्टार्टअप की संभावनाओं, चुनौतियों और स्वरोजगार के अवसरों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने किया। प्रतियोगिता में दिव्यांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंशिका बुडाकोटी द्वितीय और नंदिनी गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर प्रो. आशा देवी, डा. राकेश द्विवेदी, डा. विनोद सिंह, डा. अंशिका बंसल, डा. गणेश प्रसाद और अरविंद दुदपुड़ी मौजूद रहे।

कंडारी मोटर मार्ग पर चार दिन से आवाजाही ठप

नौगांव (उत्तरकाशी)। चार दिन से बंद सारी गाड़ कण्डारी मोटर मार्ग पर आवाजाही शुरू नहीं हो सकी है। रविवार को भी राजमार्ग निर्माण खंड की दो पोकलेन मशीनें दिनभर कार्य में जुटी रही लेकिन ऊपर से लगातार दरक रही पहाड़ी से लगातार बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके चलते ग्रामीणों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

सारी गाड़ के समीप यमुनोत्री हाईवे चौड़ीकरण कार्य से जुलाई माह में कण्डारी मोटरमार्ग का एक हिस्सा धंस गया था जिसे आज तक नहीं सुधारा गया। स्थिति यह है कि हल्की बारिश होने पर भी मोटर मार्ग कई दिनों तक बाधित हो रहा है। पिछले चार दिनों से सारी गाड़ कण्डारी मोटर मार्ग पूरी तरह से बंद है जिससे काश्तकार न तो नकदी फसल मंडी पहुंच पा रहे हैं और न ही गांव में उत्पादित दूध कलेक्शन सेंटर तक पहुंच पा रहा है। रविवार को पूरे दिन राजमार्ग निर्माण खण्ड की दो पोक लेन मशीनें मोटर मार्ग खोलने के प्रयास में जुटी रही, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। वहीं, मार्ग न खुलने से क्षेत्र के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोग मोटर मार्ग के स्थायी समाधान के लिए आंदोलन की रणनीति बनाने लगे हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब तक चौड़ीकरण के लिए काटी गई सड़क पर सुरक्षात्मक कार्य नहीं हो जाता है, गोडर पट्टी के 27 गांव की लाइफ लाइन कण्डारी मोटर मार्ग पर जारी भूस्खलन की वजह से इसी तरह परेशानी आती रहेगी।

प्रियांशु और अर्चना बने छात्र परिषद के जनरल मॉनिटर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत झंडीचौड़ स्थित राजकीय इंटर कालेज में बस्ता रहित दिवस के अवसर पर छात्र परिषद का गठन किया गया। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत आयोजित चुनाव प्रक्रिया में बालक वर्ग से प्रियांशु और बालिका वर्ग से अर्चना को जनरल मॉनिटर चुना गया। विद्यालय में छात्र परिषद के गठन के लिए बाकायदा चुनाव प्रक्रिया अपनाई गई। बालक वर्ग में प्रियांशु ने 148 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि बालिका वर्ग में अर्चना को 145 मत मिले। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. सोहन लाल ने नवनिर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों के निर्वहन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डा. सोहन लाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। विद्यालय में चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से छात्र-छात्राओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझने और अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए विद्यालयों में इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने जरूरी हैं।

संपादकीय

खाद्य पदार्थों में मिलावट

त्योहार भले ही खुशी और उमंग का एक अवसर हो लेकिन कुछ लोगों के लिए यह पैसा कमाने का एक अवसर है फिर वह चाहे आमजन के स्वास्थ्य के खिलवाड़ के साथ ही क्यों ना कमाया जाए। त्योहारों की दस्तक के साथ ही मिलावट खोर और कालाबाजारी करने वाले की सक्रिय हो जाते हैं और खाद्य पदार्थों में मिलावट कर अपनी तिजोरिया भरते हैं। रक्षाबंधन से पहले उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों में खाता विभाग में अभियान चलाया जिसके तहत कुछ स्थानों पर गड़बड़ी पाई गई लेकिन जिस प्रकार की व्यवस्था राज्य में चल रही है और पूर्व में भी त्योहारों पर सैंपल लिए गए उनके परिणाम न आना वर्तमान की कार्रवाई को भी सवालों के घेरे में खड़ा करता है। खाद्य पदार्थ मनुष्य के जीवन का आधार हैं। स्वस्थ और पौष्टिक भोजन न केवल शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाता है। दुर्भाग्यवश आज बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और अधिक लाभ कमाने की लालसा ने खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या को गंभीर बना दिया है। यह समस्या केवल उपभोक्ताओं की जेब पर ही नहीं, बल्कि उनके स्वास्थ्य और जीवन पर भी सीधा प्रभाव डाल रही है। दूध में पानी, डिटर्जेंट अथवा सिंथेटिक रसायन मिलाना, मसालों में रंग और ईंट का चूरा मिलाना, घी और तेल में सस्ते एवं हानिकारक पदार्थों की मिलावट करना, मिठाइयों में कृत्रिम रंगों का प्रयोग करना जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। फल और सब्जियों को जल्दी पकाने तथा आकर्षक बनाने के लिए भी कई प्रकार के रसायनों का उपयोग किया जाता है। ऐसे पदार्थ देखने में भले ही अच्छे लगें, लेकिन लंबे समय तक इनके सेवन से अनेक गंभीर बीमारियां जन्म ले सकती हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों के कारण पेट संबंधी रोग, एलर्जी, यकृत और गुर्दे की समस्याएं, हृदय रोग तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। सबसे अधिक प्रभावित बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोग होते हैं। कई बार मिलावट का स्तर इतना खतरनाक होता है कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इस समस्या के पीछे केवल व्यापारियों की लालच ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि उपभोक्ताओं की जागरूकता की कमी भी एक कारण है। लोग अक्सर सस्ते और आकर्षक उत्पादों की ओर आकर्षित हो जाते हैं तथा उनकी गुणवत्ता की जांच नहीं करते। इसलिए उपभोक्ताओं को खरीदारी करते समय उत्पाद की पैकिंग, निर्माण तिथि, गुणवत्ता प्रमाणन तथा विश्वसनीय ब्रांड का ध्यान रखना चाहिए। सरकार और खाद्य सुरक्षा विभाग समय–समय पर जांच अभियान चलाते हैं तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी करते हैं। फिर भी इस समस्या पर पूरी तरह नियंत्रण तभी संभव है जब कानून का सख्ती से पालन हो और समाज में जागरूकता बढ़े। विद्यालयों, सामाजिक संगठनों और मीडिया को भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। खाद्य पदार्थों में मिलावट केवल एक कानूनी अपराध नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के विरुद्ध किया गया अनैतिक कार्य है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है कि मिलावटखोरों पर कठोर कार्रवाई हो, उपभोक्ता सतर्क रहें और शुद्ध खाद्य पदार्थों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। तभी हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक समाज की कल्पना को साकार कर सकेंगे। उत्तराखंड सरकार इस समस्या को लेकर गंभीर है और समय–समय पर कई बड़े प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई भी की गई है लेकिन चिंता का विषय यह है की पूर्व में लिए गए सैंपल को कभी सार्वजनिक किया ही नहीं गया जिससे विभागीय कार्रवाई पर भी सवाल खड़े होते हैं।

ईरान बनाम अफगानिस्तानः शरिया में महिलाओं की तुलनात्मक स्थिति

तनवीर जाफ़री

इस्लामी जीवन पद्धति और कानूनी व्यवस्था को शरिया कहते हैं। शरिया में इबादत,खान-पान,पहनावा, व्यापार, विवाह, तलाक,विरासत, अपराध और सजा जैसे जीवन के तमाम पहलू शामिल हैं। इसके द्वारा कुरान ,सुन्नत,हदीस ,इज्मा व कयास जैसे पुराने स्थापित नियमों के आधार पर नए जमाने की समस्याओं का हल निकालने का दावा किया जाता है। परन्तु आज के आधुनिक दौर में सऊदी अरब,अफगानिस्तान व ईरान जैसे देशों में जहां शरिया को देश के मुख्य संविधान और आपराधिक कानून के रूप में लागू किया गया है वहीं भारत, पाकिस्तान,मिस्र और इंडोनेशिया जैसे देशों में शरिया केवल पर्सनल लॉ विवाह, तलाक , संपत्ति तक ही सीमित है,जबकि इन्हीं देशों में अपराधिक मामलों के लिए देश का धर्मनिरपेक्ष कानून लागू होता है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार व संगठन शरिया के नाम पर अत्यंत रूढ़िवादी और कबीलाई व्याख्या लागू करती है। जबकि पाकिस्तान में भी शरिया कानून पूरी तरह लागू नहीं है, बल्कि वहाँ एक हाइब्रिड या मिश्रित कानूनी प्रणाली काम करती है। जिसमें ब्रिटिश काल के धर्मनिरपेक्ष सामान्य कानून और इस्लामी शरिया कानून दोनों का मिश्रण है। सवाल यह है कि जब इस्लाम धर्म का कलमा एक, कुरआन एक, रसूल एक नमाज,रोजा हज,जकात सब एक तो इस्लामी देशों में ही शरिया कानून की व्याख्या अलग अलग क्यों? और यदि अलग है तो इसमें सही कौन और गलत कौन? और दुनिया किस शरिया व्यवस्था को सही व इस्लामी शरिया के रूप में देखे? इसी सन्दर्भ में केवल ईरान व अफगानिस्तान में लागू शरिया कानून व इसके अंतर्गत दोनों देशों में महिलाओं की स्थिति व उनपर पड़ने वाले प्रभाव का जायजा लेने की कोशिश करते हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान शासन के दौरान गत पांच वर्षों में वहां की महिलाओं की स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट्स संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न वैश्विक मानवाधिकार संगठनों द्वारा तैयार की गयी है उसके मुताबिक वहाँ महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। रिपोर्ट्स के अनुसार अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। अफगानिस्तान दुनिया का एकमात्र देश है जहां लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा आधिकारिक रूप से प्रतिबंधित है। यहाँ कक्षा 6 से आगे लड़कियों के स्कूल जाने और महिलाओं के विश्वविद्यालय जाने पर पूरी तरह रोक है। तालिबान ने विश्वविद्यालयों से महिलाओं से जुड़े 18 कोर्स हटा दिए हैं और महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 किताबों को भी प्रतिबंधित कर दिया है। ऐसी ही सख्त पाबंदियों के चलते अब अफगानिस्तान में केवल 7% महिलाएँ ही रोजगार में बची हैं। यहां महिलाओं को गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी मंत्रालयों और सार्वजनिक क्षेत्रों में काम करने से रोक दिया गया है। ब्यूटी पार्लर्स को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे लाखों महिलाओं की कमाई का जरीया छिन गया। नए तालिबानी कानून और क्रिमिनल कोड वर्ष 2026 में तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुनजादा द्वारा हस्ताक्षरित 90 पन्नों की नई दंड संहिता ने महिलाओं की स्थिति को दासों जैसा बना दिया है। इस नए कानून के तहत पति को अपनी पत्नी या बेटी को शारीरिक सजा देने यानी उसे पीटने की अनुमति है, बशर्ते कि महिला की कोई हड्डी न टूटे या शरीर पर गहरा खुला घाव न दिखाई दे ।

मोबाइल की गिरफ्त में बचपन, सरकार कब बनाएगी डिजिटल नीति?

कांतिलाल मांडोत

स्कूलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया...

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है।

यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है।

बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है।

चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है।

बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है।

यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं।

परिवार से दूर होता बचपन

आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा।

बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए। किताबों से कल्पना की दुनिया बनानी चाहिए। कला, संगीत, प्रयोग और रचनात्मक गतिविधियां बच्चे के व्यक्तित्व को विस्तार देती हैं। मोबाइल की स्क्रीन इन अनुभवों का विकल्प नहीं बन सकती।

यदि बचपन का बड़ा हिस्सा आभासी दुनिया में गुजरने लगे तो सामाजिक व्यवहार, संवाद क्षमता और वास्तविक परिस्थितियों से निपटने का अनुभव प्रभावित हो सकता है। आज की सुविधा कल की कमजोरी न बन जाए, इसकी चिंता अभी से करनी होगी।

दुनिया में बढ़ रही सतर्कता

दुनिया के कई देशों में बच्चों और सोशल मीडिया के संबंध को लेकर सरकारें नए नियमों पर काम कर रही हैं। ऑस्ट्रेलिया में कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर आयु आधारित प्रतिबंध लागू किया गया है। कई यूरोपीय देशों में स्कूलों में मोबाइल इस्तेमाल सीमित करने पर जोर दिया गया है। चीन में नाबालिगों के ऑनलाइन गेम खेलने के समय को नियंत्रित किया गया है। दक्षिण कोरिया में अत्यधिक इंटरनेट और स्मार्टफोन निर्भरता से जुड़ी समस्याओं के लिए परामर्श की व्यवस्था की गई है।

भारत में परिस्थितियां अलग हैं। यहां परिवार, समाज, शिक्षा और संस्कृति की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए किसी दूसरे देश का मॉडल ज्यों का त्यों लागू नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि समस्या को अनदेखा किया जाए।

राजस्थान को डिजिटल नीति बनानी होगी।राजस्थान में बच्चों के लिए एक स्पष्ट डिजिटल सुरक्षा नीति की जरूरत है। स्कूलों में स्मार्टफोन मुक्त कक्षाओं पर गंभीरता से विचार किया जा सकता है। साथ ही बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन गोपनीयता, साइबर उत्पीड़न, गलत सूचना और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर दी जा सकती है।

शिक्षकों को केवल पढ़ाने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें डिजिटल जोखिमों की पहचान के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। जिन बच्चों को तकनीक के अत्यधिक इस्तेमाल से परेशानी हो रही हो, उनके लिए विद्यालय स्तर पर परामर्श की व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के बारे में जागरूक किया जाना जरूरी है।

इसके साथ ही स्कूलों में पुस्तकालयों को सक्रिय करना होगा। बच्चों को केवल किताब खरीदने की सलाह देने से पढ़ने की आदत नहीं बनेगी। पुस्तक चर्चा, कहानी लेखन, वाचन, खेल, विज्ञान प्रयोग, कला और परियोजना आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना होगा। बच्चे को मोबाइल से हटाने के लिए उसके सामने बेहतर विकल्प भी रखने होंगे।

बच्चों को सोशल मीडिया से पूरी तरह काट देना व्यावहारिक समाधान नहीं है। डिजिटल दुनिया से परिचित होना आज की आवश्यकता भी है। सवाल यह है कि बच्चा तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है या तकनीक बच्चे के व्यवहार को नियंत्रित कर रही है। सरकार को उम्र के अनुसार स्क्रीन इस्तेमाल, डिजिटल सुरक्षा और ऑनलाइन व्यवहार के स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। विद्यालय, परिवार और समाज को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों पर पहरा लगाने से अधिक जरूरी है उन्हें डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से चलना सिखाना।

आज मोबाइल हाथ में है, कल यही बच्चे देश का भविष्य संभालेंगे। इसलिए चिंता केवल इस बात की नहीं होनी चाहिए कि बच्चा कितने घंटे मोबाइल चला रहा है। असली सवाल यह है कि मोबाइल उसके समय, सोच, व्यवहार और रिश्तों के साथ क्या कर रहा है।

अगर आज हमने इस बदलाव को केवल आधुनिकता समझकर नजरअंदाज कर दिया तो आने वाले वर्षों में समस्या कहीं अधिक गहरी हो सकती है। सरकार को अब इंतजार करने के बजाय नीति बनानी होगी। स्कूलों को पहल करनी होगी और परिवारों को अपनी भूमिका समझनी होगी।

बच्चे को तकनीक चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा उसे बचपन चाहिए। उसे इंटरनेट चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा संवाद चाहिए। उसे स्क्रीन चाहिए, लेकिन उससे ज्यादा किताब, खेल का मैदान, परिवार का साथ और समाज से जुड़ाव चाहिए। डिजिटल युग को रोकना संभव नहीं है, लेकिन उसमें बचपन को खोने से बचाना निश्चित रूप से संभव है। यही समय है कि सरकार, शिक्षा व्यवस्था और परिवार मिलकर तय करें कि तकनीक बच्चों का भविष्य बनाएगी या उनका बचपन छीन लेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

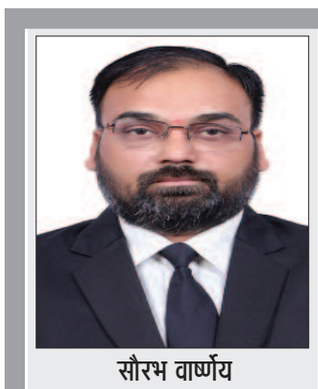

सौरभ वार्ष्णेय

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है।

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है।

धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी

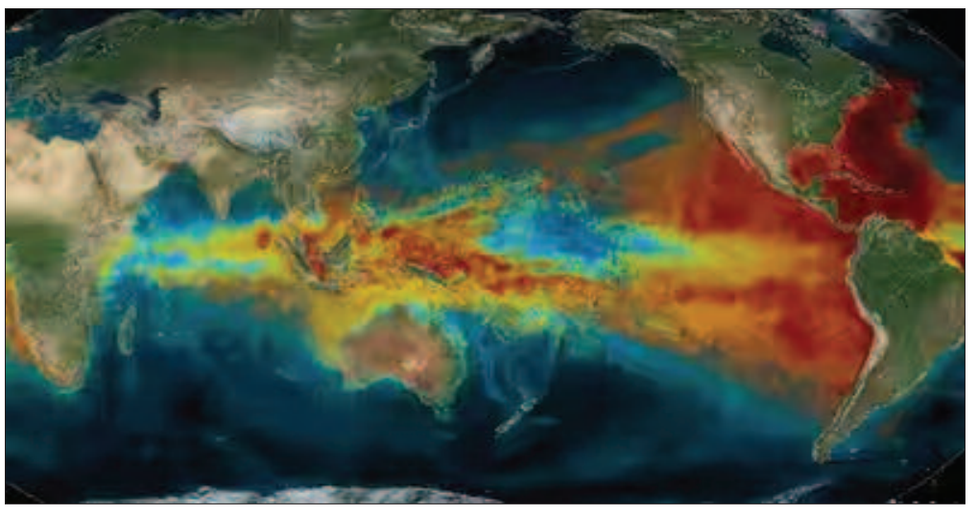

चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़–दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं।

भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ? से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; **बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है**, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढ़ड़े से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कृषि उत्पादन में कमी, बिजली की मांग में वृद्धि, जल संकट, बाढ़ से बुनियादी ढांचे को नुकसान और स्वास्थ्य संबंधी खर्च–इन सभी का आर्थिक बोझ सरकार और जनता दोनों को उठाना पड़ता है। अत्यधिक गर्मी में बिजली की मांग बढ़ती है, जबकि जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को विकास की हर योजना का हिस्सा बनाया जाए। शहरों की जल निकासी व्यवस्था को आधुनिक बनाया जाए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण हो, जल संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए और किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह समय पर उपलब्ध कराई जाए। सूखा और बाढ़ दोनों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग रणनीतियां तैयार करनी होंगी।

कृषि क्षेत्र में भी पारंपरिक सोच से आगे बढ़ड़े की जरूरत है। कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों, सूखा और गर्मी सहन करने वाली किस्मों, माइक्रो-इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आएगा और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है।

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

यमुनोत्री हाईवे: धंसते रास्ते ने रोकी 27 गांवों की रफ्तार

उत्तरकाशी। यमुनोत्री हाईवे चौड़ीकरण के दौरान हो रहे लगातार धंसाव का खामियाजा गोडर पट्टी के 27 गांवों के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। कण्डारी मोटर मार्ग तीन दिन से बंद होने से क्षेत्र की नकदी फसल व सेब मंडियों तक नहीं पहुंच पा रही है। वहीं दुग्ध समितियों के लिए लाखामंडल संग्रह केंद्र तक दूध पहुंचाना भी ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है।

काश्तकार दूध के ड्रमों को रस्सी के सहारे ऊपर से नीचे उतारकर मुख्य मार्ग तक पहुंचाने को मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दूध समय पर चिलिंग प्लांट तक नहीं पहुंचा तो उसके खराब होने का खतरा बना हुआ है। सेब सीजन में मार्ग बंद होने से काश्तकारों को आर्थिक नुकसान की भी चिंता सता रही है। यमुनोत्री हाईवे की

कटिंग से कण्डारी मोटर मार्ग बार-बार बाधित हो रहा है। जुलाई में समस्या सामने आने पर जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर वैकल्पिक व्यवस्था तत्काल करने और एक माह में स्थायी समाधान के निर्देश दिए थे लेकिन दो माह बीतने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया। क्षेत्र के राजेश बहुगुणा ने कहा कि मार्ग आए दिन बंद हो रहा है जिससे ग्रामीणों की आजीविका प्रभावित हो रही है। उन्होंने राजमार्ग निर्माण खंड पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आंदोलन की चेतावनी दी। पीएमजीएसवाई पुरोला के ईई योगेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें मार्ग बंद होने की जानकारी नहीं है।

नंदा लोकजात को बनाएंगे दिव्य और भव्य

कर्णप्रयाग। आगामी नंदा लोकजात को भव्य और दिव्य बनाने के लिए डुंग्री और रुईसाण गांव के ग्रामीणों की बैठक हुई। डुंग्री स्थित नंदा चौक पर आयोजित बैठक में पड़ाव समिति के अध्यक्ष प्रेमशंकर बुटोला ने कहा कि बधाण की नंदा राजराजेश्वरी की वार्षिक लोकजात का आयोजन इस बार भी भव्यता के साथ किया जाएगा। केंद्रीय समिति (मां राजराजेश्वरी क्षेत्रपाल) के प्रशासनिक सचिव एवं सोल क्षेत्र विकास समिति अध्यक्ष चरण सिंह रावत ने कहा कि वर्ष 2027 में प्रस्तावित श्रीनंदा देवी राजजात को देखते हुए इस वर्ष की लोकजात को और अधिक भव्य बनाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में भरत सिंह और दिनेश रावत ने टेंट व भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी ली। ग्राम प्रधान रेखा देवी ने 2027 की राजजात की तैयारियों के लिए प्रस्ताव रखने की बात कही। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य हरीश सोलियाल, रुईसाण प्रधान विजयलाल, अनिल राता, जसपाल रंतोली, दिगम्बर प्रसाद, राजेंद्र राणा, देवेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह सहित महिला मंगल दल व युवक मंगल दल के सदस्य उपस्थित रहे।

यूथ कांग्रेस का एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन

हल्द्वानी, आठ अगस्त को रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की विजय शंखनाद रैली के बाद हुए कथित शुद्धिकरण को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को उत्तराखंड यूथ कांग्रेस ने इस मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विशाल सिंह भोजक के नेतृत्व में कार्यकर्ता बहुउद्देश्यीय भवन पहुंचे और नारेबाजी करते हुए एसएसपी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की रैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। रैली समाप्त होने के बाद कुछ लोगों ने रामलीला मैदान में हवन-पूजन कर कथित शुद्धिकरण किया और वहां मौजूद लोगों को अराजक तत्व बताया। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि यह कृत्य किसी विशेष वर्ग को अपमानित करने और समाज में जातीय भेदभाव व नफरत फैलाने की मंशा से किया गया। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि रैली के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार वीडियो के माध्यम से धार्मिक आधार पर लोगों को भड़काने का प्रयास किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इस संबंध में 14 अगस्त को हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहा है पेयजल योजना का हैड

उत्तरकाशी। धनारी क्षेत्र के पीपली और मंजकोट गांव में पेयजल योजना का हैड बरसात में बार-बार क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। विभागीय स्तर पर कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी जताई।

ग्रामीण धर्मेंद्र राणा, दिपेंद्र राणा, अमित राणा और विकास ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत जल संस्थान की ओर से गांव की पेयजल योजना के लिए हैड बनाया गया था। बीते बरसात के दौरान तेज बारिश और पानी के बहाव से यह हैड पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके चलते गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई और लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ी। पेयजल संकट को देखते हुए उन्होंने अपने स्तर से क्षतिग्रस्त हैड की मरम्मत कर किसी तरह पानी की आपूर्ति बहाल की। फिलहाल ग्रामीणों को पानी मिल रहा है। लेकिन बरसात के

दौरान तेज बहाव के कारण हैड बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाता है। इससे समस्या फिर गहरा जाती है। वे इस संबंध में कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर चुके हैं और स्थायी समाधान की मांग कर चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने विभाग से सुरक्षित स्थान पर मजबूत हैड का निर्माण कराने की मांग की है।

संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में ज्योतिर्मठ ऑलओवर चैंपियन

गोपेश्वर। विद्या भारती की ओर से संचालित चमोली जनपद के सरस्वती विद्या मंदिरों की संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं खेल मैदान गोपेश्वर में आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में संकुल ज्योतिर्मठ ऑलओवर चैंपियन रहा। इसके अलावा गोपेश्वर दूसरे और गौचर के खिलाड़ी तीसरे स्थान पर रहे। खेल मैदान गोपेश्वर में संकुल प्रभारी शंभू प्रसाद चमोला ने ध्वजारोहण कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। इसमें जनपद के आठ विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली। इस दौरान हुई प्रतियोगिता में प्रत्येक ब्लॉक से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 5 व 6 सितंबर को राज्य स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मौके पर फील्ड मार्शल शारदा प्रसाद तिवारी, प्रधानाचार्य हिम्मत सिंह चौहान, रामेश्वर सती, मदन चौधरी, देवेंद्र भंडारी, मंगला प्रसाद सती, सुनील, प्रदीप, भरत सिंह, अनिल, मंजू पुरोहित, अपर्णा, सुनीता, तुलसी आदि मौजूद रहे।

किमाणा गांव में भू-धंसाव, बढ़ रहीं दरारें

बसुकेदार। तहसील क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण लोनीगाड़ गदेरा उफान पर होने से ग्राम सभा खाटली के किमाणा गांव के ठीक नीचे भू-धंसाव हो रहा है और गांव में दरारें लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं कृषि भूमि का भी कटाव हो रहा है।

किमाणा गांव में कमल सिंह और नारायण सिंह की दो गोशालाएं पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं जबकि सुंदर सिंह व भागीरथी देवी की गोशालाओं को भी आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, नारायण सिंह का शौचालय क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं राजेंद्र सिंह के मकान पर मोटी दरारें आ जाने से उनका घर कभी भी ढह सकता है। पूर्व प्रधान प्रमिला पवार, महिला मंगल दल अध्यक्ष कविता देवी, जयेंद्र सिंह, अजय सिंह और सुखबीर सिंह ने बताया कि गांव में लगातार बने खतरे के कारण 70 परिवार दहशत के साये में जीने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 की आपदा के बाद और रात हुई भारी बारिश

के कारण लोनीगाड़ गदेरा उफान पर है जिससे गांव के ठीक नीचे लगातार कटाव हो रहा है। घटना की सूचना मिलने पर तहसील प्रशासन की टीम ने ग्राम किमाणा का निरीक्षण किया। प्रभारी आरके यतेंद्र राणा और राजस्व उपनिरीक्षक प्रदीप कपरवान ने बताया कि गांव में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। प्रशासनिक टीम लगातार स्थिति पर नजर बनाए है।

संक्षिप्त समाचार

बीआरपी और सीआरपी को सरकारी कर्मचारी घोषित करें

गोपेश्वर। समग्र शिक्षा के तहत आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत बीआरपी (ब्लॉक रिसोर्स पर्सन) और सीआरपी (क्लस्टर रिसोर्स पर्सन) कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल यश बिष्ट के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मिला। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त कर कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी घोषित करने और दो माह से रुके हुए वेतन के भुगतान की मांग उठाई।

यश बिष्ट ने बताया कि बीआरपी-सीआरपी कर्मचारी स्कूल विजिट, शैक्षिक मॉनिटरिंग और विभागीय रिपोर्टिंग समेत विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं लेकिन करीब दो माह से उन्हें वेतन नहीं मिला है। इससे कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ज्ञापन में वेतन में अनियमित कटौती, वेतन पर्ची नहीं मिलने और सेवा शर्तों से जुड़ी समस्याओं का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने लंबित वेतन का तत्काल भुगतान कराने और नियमित वेतन की स्थायी व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया। शिक्षा मंत्री ने ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मेडिकल कॉलेज का निर्माण नई टिहरी में किया जाए

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक प्रमुख व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की पैरवी की। कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव में यदि पार्टी संगठन उन्हें प्रत्याशी बनाती है, तो वह निश्चित चुनाव लड़ेंगे।पार्टी कार्यालय पत्रकार वार्ता में ब्लॉक प्रमुख नौटियाल ने कहा कि नई टिहरी विस्थापित शहर है। शहर को बचाने के लिए यहां पर बड़े-बड़े संस्थान खुलने की जरूरत है। शहर के अंदर कई संस्थानों के भवन खाली पड़े है, जिनकी स्थिति जीर्णशीर्ण हो चुकी हैं। ऐसे भवनों को मेडिकल कॉलेज को दिया जाना चाहिए। कार्यकर्ताओं की मांग वह टिहरी विधानसभा क्षेत्र से टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। इस मौके पर भाजपा के मंडल अध्यक्ष विजय कठैत, संदीप सिंह, डॉ. प्रमोद उनियाल, हर्षमणि सेमवाल, विजय हटवाल, संदीप रावत, जयेंद्र पंवार, विनीत उनियाल, रणवीर नौटियाल, गौरव गुसाई, असगर अली, धीरेंद्र भंडारी, रविंद्र आदि मौजूद थे।

भाजपा ने शुरू किया बूथ सशक्तीकरण अभियान

अगस्त्यमुनि। ब्लॉक सभागार में रविवार को भाजपा अगस्त्यमुनि नगर एवं ग्रामीण मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का गायन किया।

बैठक में बूथ सशक्तीकरण अभियान को लेकर संगठन की मजबूती पर मंथन किया गया। जिलाध्यक्ष भारत भूषण ने कहा कि नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक बूथ को मजबूत करना संगठन की प्राथमिकता है। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने का आह्वान करते हुए 2027 में मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा दिया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी, मंडल अध्यक्ष मनोज राणा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बृजमोहन नेगी, जिला ओबीसी अध्यक्ष सतीश गोस्वामी, मनोनीत सभासद श्रीनंद जमलोकी, पूर्व मंडल अध्यक्ष बीना राणा, सरला भट्ट, अनिल कोठियाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच संचालन त्रिभुवन नेगी ने किया।

सड़क निर्माण के लिए आंदोलन 16वें दिन भी जारी

चोपता। तुंगनाथ मोटर मार्ग निर्माण की मांग के लिए मोहनखाल-किनझाणी-तुंगनाथ संघर्ष समिति का आंदोलन मोहनखाल में जारी है। रविवार को 16वें दिन भी आंदोलनकारियों ने नारेबाजी कर सड़क निर्माण की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य कुलदीप राणा, ग्राम प्रधान खन्नी लता देवी सहित कई ग्रामीणों ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी इस मांग पर शासन प्रशासन को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए।

कर्णप्रयाग : मूसलाधार बारिश से भूस्खलन, छह वाहन दबे

कर्णप्रयाग। रविवार सुबह पांच बजे हुई करीब दो घंटे की मूसलाधार बारिश से सुभाषनगर में सिमली सड़क पर भूस्खलन हो गया। ऐसे में सड़क पर खड़े करीब छह दोपहिया वाहन मलबे में दब गए। एक दुकानदार इस घटना में बाल-बाल बचा जबकि एक दुकान के शटर को भी नुकसान पहुंचा। रविवार सुबह मूसलाधार बारिश के कारण सुभाषनगर में पार्किंग के पास भूस्खलन हो गया। साथ में बड़े पेड़ मलबे के साथ सड़क पर आ गिरे। करीब सात बजे आए इस मलबे में दुकानदार लखपत सिंह ने भागकर जान बचाई। पूर्व सभासद प्रह्लाद सती और अरविंद गुसाईं का कहना है कि सड़क किनारे कुछ दोपहिया वाहन लोगों ने खड़े किए थे। दुकानदार जैकी ने बताया कि करीब छह दोपहिया वाहन मलबे में दब गए और बिजली लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंचे डीडीआरएफ के जवानों ने पेड़ काटकर करीब नौ बजे यातायात सुचारु किया। वहीं एनएच ने जेसीबी की मदद से मलबा हटाया और दोपहिया वाहनों को निकाला। मलबे से यहां पर दुकानों और मकानों को भी खतरा बन गया है। लोगों ने जल्द यहां सुरक्षा दीवार लगाने की मांग की।

वहीं एसडीएम अलकेश नौडियाल ने कहा कि सड़क खोल दी गई है। नुकसान के लिए संबंधित कर्मचारियों से निरीक्षण कराया जाएगा।

तेज बारिश से लंगासू की सड़कें बदहाल

जिलासू/नारायणबगड़। शनिवार रात हुई तेज बारिश के बाद लंगासू क्षेत्र में सड़कों की स्थिति खराब हो गई। एनएच पर एसबीआई के सामने और जीआईसी लंगासू समेत कई स्थानों पर गड्ढों में पानी भर गया। अजय बड़ौनी ने बताया कि टूटे नालों से पानी सड़कों पर और दुकानों में घुस रहा है। प्रियांशु ने कहा कि स्कूल के दिनों में यहां आवागमन करना मुश्किल होता है। व्यापारी कैलाश खंडूड़ी ने समेत कई लोगों ने विभाग से जल्द सड़क और नालियों की मरम्मत कराने की मांग की। वहीं नारायणबगड़ में भी कई मार्ग बंद हो गए।

स्कीइंग के राष्ट्रीय विजेताओं को छह माह बाद मिली पुरस्कार राशि

ज्योतिर्मठ। औली में आयोजित राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप और खेलो इंडिया विंटर गेम्स के पदक विजेताओं को करीब छह माह बाद पुरस्कार की राशि मिल गई है। खिलाड़ियों के बैंक खातों में पुरस्कार की धनराशि जमा कर दी गई है। इससे लंबे समय से राशि का इंतजार कर रहे खिलाड़ियों को राहत मिली है।

औली में 13 से 16 फरवरी तक राष्ट्रीय स्कीइंग चैंपियनशिप आयोजित की गई थी। स्की माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय भट्ट ने बताया कि राष्ट्रीय स्कीइंग प्रतियोगिता और खेलो इंडिया विंटर गेम्स में प्रथम स्थान हासिल करने वाले शार्दुल थपलियाल के खाते में उत्तराखंड खेल विभाग की ओर से दो लाख, पर्यटन विभाग की ओर से 51 हजार और खेलो इंडिया की ओर से 30 हजार रुपये जमा किए गए हैं। उन्होंने बताया कि औली चैंपियनशिप में द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले हिमांशु कवाण को खेल विभाग से 30 हजार और पर्यटन विभाग से 20 हजार रुपये मिले हैं।

वहीं खेलो इंडिया में तृतीय स्थान हासिल करने वाली संगीता भट्ट को 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई है। अजय भट्ट ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से आने वाले समय में प्रतिभा खोज कार्यक्रम चलाया जाएगा। इसके माध्यम से उत्तराखंड में स्की माउंटेनियरिंग की नई प्रतिभाओं को चिह्नित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा और राष्ट्रीय स्तर की टीम के लिए तैयार किया जाएगा।

छात्रा को प्रवेश दिया अब परीक्षा फार्म भरने से रोका

नैनबाग (टिहरी)। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में अध्ययनरत एक छात्रा को एमए प्रथम सेमेस्टर का परीक्षा फार्म भरने से रोके जाने से छात्र-छात्राओं ने कड़ा आक्रोश जताया है। छात्र नेताओं ने महाविद्यालय की प्रवेश समिति की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर छात्रा को न्या दिलाने की मांग की। ऐसा न होने पर उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अर्जुन कैंतुरा, शिवांश कुंवर, हिमानी ने बताया कि छात्रा पूनम ने वर्ष 2025-26 में नैनबाग महाविद्यालय में एमए समाजशास्त्र में प्रवेश लिया। मानक के अनुरूप उसने रजिस्ट्रेशन शुल्क और फीस जमा करवाई। प्रवेश के बाद छात्रा को महाविद्यालय की ओर से परिचयपत्र भी जारी किया है लेकिन हाल ही में छात्रा को एमए प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फार्म भरने से रोक दिया गया।

यदि छात्रा एमए कक्षा में प्रवेश के मानकों को पूरा नहीं करती थी तो प्रवेश समिति को उन्हें एमए में प्रवेश क्यों दिया गया। प्रवेश समिति को उसी दौरान छात्रा के प्रमाणपत्रों की गहनता से जांच करनी चाहिए थी। प्रवेश समिति की लापरवाही के कारण छात्रा का एक साल का समय बर्बाद हो गया है। वहीं छात्रा पूनम ने बताया वह नियमित रूप से कक्षा में आती रही, कुछ दिनों पहले परीक्षा फार्म भरने से उन्हें रोक दिया गया। प्राचार्य डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। किस स्तर से गलती हुई है यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

भूस्खलन के बीच जिंदगी की जंग, 50 मीटर का सफर बना जानलेवा

उत्तरकाशी। अस्सी गंगा घाटी के चार गांव के लोग गत पांच दिनों से नौगांव और भंकोली के बीच सड़क पर हुए भूस्खलन के बीच गिरते बोल्डर, मलबा और पेड़ों के बीच आवाजाही करने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की ओर से एक मशीन भेजी हुई है लेकिन उसकी क्षमता कम होने के कारण वह मलबा नहीं हटा पा रही है। लोग बच्चों को पीठ पर बांधकर करीब 50 मीटर लंबे भूस्खलन क्षेत्र को जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं।

अस्सी गंगा घाटी के ग्रामीणों ने बताया कि पांच दिन पूर्व नौगांव और भंकोली के बीच सड़क पर भूस्खलन होने के कारण मलबा सहित बोल्डर और पेड़ टूटकर गिरे हैं। विभाग को सूचना देने के बाद मशीन तो पहुंच गई थी लेकिन पेड़ व बोल्डर नहीं हटाए गए।

भूस्खलन क्षेत्र में लगातार बोल्डर गिर रहे हैं।

सड़क बंद होने से अगोड़ा, ढासड़ा, दंदालका और भंकोली के लोग करीब पांच किमी की पैदल दूरी तय कर वहां पर पहुंच रहे हैं। उसके बाद करीब 50 मीटर लंबे भूस्खलन क्षेत्र को पार करते हुए हर समय बोल्डर गिरने और पेड़ों व मलबे से खाई में फिसलने का खतरा बना है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बरसात में उनको ऐसी विकट परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है लेकिन सड़क पर भूस्खलन को रोकने के लिए आज तक कोई कदम नहीं उठाए गए। इस संबंध में पीएमजीएसवाई के ईई से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया।

डेढ़ घंटे तक बंद रहा केदारनाथ हाईवे

रुद्रप्रयाग। रात से लगातार हो बारिश के कारण केदारनाथ हाईवे पर कई जगहों पर मलबा आ गया। इससे काकड़ागाड के पास हाईवे करीब डेढ़ घंटे तक बंद रहा। बाद में एनएच की जेसीबी ने मलबा हटाया और मार्ग पर आवाजाही शुरू कराई। रविवार सुबह बारिश के कारण केदारनाथ हाईवे पर काकड़ागाड़ से गौरीकुंड के बीच आंचल कैफे काकड़ागाड़ के पास मलबा आ गया। ऐसे में सुबह 5:26 बजे ही यहां आवाजाही बंद हो गई। सूचना मिलते ही एनएच के अधिकारी मशीनों और तकनीशियन के साथ मौके पर पहुंचे और मलबा हटाने का काम शुरू किया। सुबह करीब 7 बजे मलबा हटाकर आवाजाही शुरू कराई गई। वहीं एक स्थान पर पेड़ भी गिर गया। एनएच के ईई ओंकार पांडेय ने बताया कि हाईवे दो घंटे बंद रहा बाद में सभी

स्थानों पर मलबा हटाते हुए आवाजाही शुरू कर दी गई है।

संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान

गोपेश्वर। जिला भेषज संघ के सभागार में आयोजित बैठक में बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक में नगर मंडल गोपेश्वर के बूथ सशक्तीकरण को लेकर चर्चा की गई। सती ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की असली ताकत है। जिला भेषज संघ के अध्यक्ष सत्येंद्र असवाल ने बूथ स्तर पर संगठन को और सुदृढ़ करने तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान नगर मंडल पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक एवं प्रभारी, बूथ अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष और वरिष्ठ एवं अनुभवी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO.
UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

9/11 की बरसी पर बदला ट्रंप का प्लान: पेंटागन के कार्यक्रम में होंगे शामिल, कहा- अपनों को याद करने का है दिन

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पेंटागन में 11 सितंबर के हमलों की 25वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने इस कार्यक्रम की पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस न्यूयॉर्क में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारी पेंसिल्वेनिया के शैंक्सविले में आयोजित समारोह में जाएंगे। इस साल अल-कायदा के आतंकवादियों की ओर से हाईजैक किए विमानों से किए गए हमलों को 25 साल पूरे हो रहे हैं। इन हमलों में तीन जगहों पर लगभग 3,000 लोगों की जान गई थी। इसने अमेरिकी विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पूरी तरह बदल दिया था। शुक्रवार को ह्यूस्टन की यात्रा से लौटने के बाद, एयर फोर्स वन के पास पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि वे न्यूयॉर्क में होने वाले समारोह में क्यों शामिल नहीं होंगे? जैसा कि कुछ प्रकाशित रिपोर्टों में कहा गया था। उन्होंने जवाब दिया,क्योंकि मैं पेंटागन जा रहा हूं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने 9/11 को पीड़ितों और उनके प्यारे परिवार के सदस्यों को याद करने का दिन बताया। पिछले साल, ट्रंप ने पेंटागन में सालाना समारोह में इस दिन को याद किया। वहां उन्होंने उस दिन की घटनाओं का जिक्र किया, जिसमें हाईजैक किए गए विमानों में सवार यात्रियों की बातचीत के कुछ अंश भी शामिल थे।

डाक से मतदान वाले आदेश पर लगी रोक, प्रशासन ने फैसले के खिलाफ दायर की अपील; जज ने क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस फैसले के खिलाफ अपील की है, जिसमें एक जज ने राष्ट्रपति के आदेश पर रोक लगा दी थी। इस आदेश में डाक के जरिये मतदान को लेकर कुछ नई शर्तें रखी गई थीं। यह मामला ऐसे समय अदालत पहुंचा है, जब मध्यावधि चुनाव के लिए कुछ राज्यों में 4 सितंबर से मतपत्र भेजे जाने हैं। शुक्रवार को इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन ने अपील दायर की। इससे पहले बोस्टन की संघीय अदालत के जज ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर अगले दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले प्रक्रिया से जुड़े आधार पर इस योजना को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी। लेकिन अदालत ने अभी यह फैसला नहीं किया है कि यह योजना कानूनी है या नहीं। ट्रंप के आदेश के मुताबिक, अमेरिकी डाक सेवा कुछ राज्यों के मतपत्र पहुंचाने से इनकार कर सकती थी। इसके लिए राज्यों को उन मतदाताओं की सूची देनी होगी, जो वोट देने के योग्य हैं। साथ ही मतपत्र भेजने के लिए एक तय तरह के लिफाफे का इस्तेमाल करना होगा। अमेरिकी जिला अदालत की जज इंदिरा तलवानी ने कहा कि राज्यों के पास नए मतपत्र तैयार करने और छापने के लिए पर्याप्त समय या पैसा नहीं है। उन्हें अपनी व्यवस्था में बदलाव करना होगा। साथ ही अधिकारियों को मतदाताओं की जानकारी डाक सेवा पर डालने के लिए प्रशिक्षण भी देना होगा।

ट्रंप को झटका: हश मनी केस की सजा खत्म कराने की कोशिश नाकाम, याचिका खारिज कर जज ने क्या कहा?

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बार फिर झटका लगा है। वह अपनी हश मनी यानी चुप रहने के लिए पैसे देने से जुड़े मामले में मिली सजा खत्म कराना चाहते थे। लेकिन उनकी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को एक संघीय जज ने ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। ट्रंप चाहते थे कि न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में चले इस मामले को संघीय अदालत में भेज दिया जाए। इसके बाद मामले को राष्ट्रपति की कानूनी छूट के आधार पर खत्म कर दिया जाए। जज एल्विन के. हेलरस्टीन ने ट्रंप की याचिका खारिज करने का अपना पहले का फैसला बरकरार रखा। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मामला संघीय अदालत में भेजने के लिए जो नए कारण बताए हैं, वे न तो नए हैं और न ही कानून के हिसाब से पर्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप यह भी नहीं बता पाए कि उन्होंने मामला संघीय अदालत में भेजने में इतनी देर क्यों की। वह यह भी साबित नहीं कर पाए कि उन्होंने इस मामले में समय पर और पूरी गंभीरता से कार्रवाई की। यह तीसरी बार है, जब हेलरस्टीन ने ट्रंप की कोशिश रोकी है। ट्रंप चाहते थे कि मैनहट्टन की अमेरिकी जिला अदालत इस मामले को न्यूयॉर्क की अदालत से अपने हाथ में ले ले। इसी न्यूयॉर्क अदालत में ट्रंप पर मुकदमा चला था। वहीं उन्हें दोषी भी ठहराया गया था। ट्रंप को मई 2024 में दोषी ठहराया गया था। उस समय वह राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल के बीच थे।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रोंगटे खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूस्खलन के मलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं।

बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा 11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल : अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11 सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को ÷प्राथमिकता÷ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है।

मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य : त्रिशुली नदी में भारी बारिश के कारण मौसम की स्थिति बिगड़ने से बचाव अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण, आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

राहत कार्यों में विदेशी मदद लेने को तैयार हुआ नेपाल : नेपाल ने अपना फैसला बदलते हुए बाढ़ राहत कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने पर सहमति जताई है। जिन देशों के नागरिक लापता हैं, उन देशों के दबाव के कारण सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि वे टनल में बचाव कार्य और शवों की पहचान में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेंगे। भोटेकोशी बाढ़ की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों के लिए नेपाल ने नए नियम लागू किए हैं। पत्रकारों को पासपोर्ट और वीजा, अपने संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र, वेतन और भत्तों का विवरण आदि जमा करना होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है, जबकि 37 लोग अब भी लापता हैं।

नॉर्वे के महाराजा हेराल्ड पंचम का निधन, 89 की उम्र में ली आखिरी सांस, पीएम मोदी ने दुख जताया

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। नॉर्वे के पांचवें महाराजा हेराल्ड का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किंग हेराल्ड के निधन पर शोक जताया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। शाही महल की ओर से गुरुवार को जानकारी दी गई थी कि किंग की हालत काफी गंभीर है और उनका इलाज ओस्लो के नेशनल हॉस्पिटल में चल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷नॉर्वे के किंग हेराल्ड पंचम के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। इस साल की शुरुआत में अपनी नॉर्वे यात्रा के दौरान महामहिम से हुई मुलाकात को मैं स्नेहपूर्वक याद करता हूं और राष्ट्र के प्रति उनकी गर्मजोशी और सेवा की गहरी भावना से मैं अत्यंत प्रभावित हुआ था। शाही परिवार और नॉर्वे के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

यूरो न्यूज की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, किंग हेराल्ड की बिगड़ती सेहत को लेकर चिंता बढ़ने पर सैकड़ों लोग ओस्लो रॉयल पैलेस के बाहर फूल और मोमबत्तियां लेकर इकट्ठा हुए। यूरोप के सबसे उम्रदराज शासक किंग हेराल्ड 17 अगस्त से हीमोलिटिक एनीमिया के कारण अस्पताल में भर्ती थे। बाद में बैक्टीरियल ब्लडस्ट्रीम इंफेक्शन से उनकी स्थिति और गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर क्रीन सोन्या और क्राउन प्रिंस हाकोन, जो रीजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं, ने अपने आधिकारिक कार्यक्रम रद्द कर दिए और शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नॉर्वे किंग के पास पहुंचे। इस खबर के बाद ओस्लो में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सैकड़ों लोग रॉयल पैलेस के बाहर इकट्ठा हुए, जहां उन्होंने फूल रखे, मोमबत्तियां जलाईं और राजा के लिए हाथ से लिखे संदेश और चित्र छोड़े। नॉर्वे के अन्य शहरों में भी इसी तरह लोगों के जुटने की खबरें आईं, जहां लोग राजा के स्वास्थ्य पर आगे की जानकारी का इंतजार कर रहे थे। यूरो न्यूज ने बताया कि तबीयत बिगड़ने के बाद सरकार के वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने कार्यक्रमों में बदलाव किया। प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे ने जर्मनी की अपनी नियोजित यात्रा रद्द कर दी और कहा कि वह पूरे देश के साथ राजा और शाही परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। संसद अध्यक्ष मसूद घराहखानी ने भी अपनी विदेश यात्रा बीच में ही रोककर नॉर्वे लौटने का फैसला किया। हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा थे और हाल के वर्षों में उन्हें कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप के चेहरे जैसी दवा पर नीदरलैंड में अलर्ट; संघर्षविराम के बावजूद गाजा में आईडीएफ के हमले, पांच की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। नीदरलैंड के ट्रिंबोस इंस्टीट्यूट ने ट्रंप के सिर के आकार जैसी दिखने वाली एक्स्टसी गोलियों को लेकर चेतावनी जारी की है। संस्थान ने लोगों से इन गोलियों का इस्तेमाल नहीं करने को कहा है। हाल में ड्रग टेस्टिंग केंद्रों पर ऐसी कई गोलियां पहुंची हैं। इन गोलियों में नाम का खतरनाक रसायन मिला है। इसकी मात्रा काफी अधिक बताई गई है। तुलना में देर से होता है। इससे व्यक्ति को लग सकता है कि गोली ने काम नहीं किया। वह दूसरी गोली ले सकता है। इससे ओवरडोज का खतरा बढ़ जाता है। संस्थान के मुताबिक, ज्यादा मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, अभी ऐसी गोलियों से गंभीर बीमारी या मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। नीदरलैंड में एक्स्टसी का उत्पादन और इस्तेमाल गैरकानूनी है। इससे पहले 2017 में जर्मनी में भी ट्रंप के चेहरे वाली हजारों गोलियां जब्त हुई थीं। संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति शृंखला जोखिम करार दिया।

नेपाल बाढ़: विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं।

नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था : सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया : सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं।

विदेश मंत्री ने क्या कहा : विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है।

किन देशों को मिली है मंजूरी : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

टीम बिना कोई चैंपियन नहीं: जरूरत पर मदद लेना कमजोरी नहीं, मजबूत सहयोगी होने के संकेत; सफल इंसान की पहचान क्या

अल्बानी, एजेंसी। मियामी तट के पास अटलांटिक महासागर की तेज लहरों में 86 वर्षीय मां पानी निगलकर बेहोश हो चुकी थी। फेफड़ों में भरता पानी और थमती सांसें। बेटी ने अपनी पूरी ताकत से हाथ-पैर मारकर मां को खींचने की कोशिश की, लेकिन समंदर की ताकत के आगे उसकी हर कोशिश नाकाम हो रही थी।

जब लगा कि दोनों डूब जाएंगे, तभी बेटी ने अपनी रणनीति बदली। एक हाथ से मां का सिर पानी के ऊपर रखा और दूसरा हाथ हवा में लहराते हुए पूरी ताकत से चीख पड़ी...मदद करो। रेस्क्यू बोट के प्रशिक्षित तैराकों ने तुरंत छलांग लगाई, दोनों को पानी से निकाला और समय पर अस्पताल पहुंचाया। यह दास्तान किसी आम इंसान की नहीं, बल्कि जुनून और दृढ़ संकल्प पर दुनिया की सबसे चर्चित बेस्टसेलर किताब लिखने वाली प्रसिद्ध साइकोलॉजिस्ट डॉ एंजेला डकवर्थ की है। डकवर्थ लिखती हैं, उस दिन मेरी और मां की जान समंदर की लहरों से अकेले लड़ने से नहीं बची, बल्कि सही समय पर मदद की गुहार लगाने से बची।

अकेले जीतने का भ्रम : समाज में थॉमस एडिसन के हजारों प्रयोगों या स्टीव जॉब्स के अकेले दम पर क्रांति लाने की कहानियां गढ़कर लोगों को यह सिखाया जाता है कि हर मुश्किल से अकेले जूझना ही मर्दानगी या असली कामयाबी है।

रिसर्च का निष्कर्ष : दुनिया के शीर्ष सफल लोगों का गहन अध्ययन करने के बाद डकवर्थ कहती हैं, शीर्ष स्तर के सफल लोगों ने अपनी सफलता का श्रेय उन लोगों को दिया जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका हाथ थामा। मदद मांगना कमजोरी नहीं = रिसर्च से साबित हुआ है कि जो लोग सलाह और सहयोग मांगने में संकोच नहीं करते, वे अकेले जूझने वालों के मुकाबले कई गुना ज्यादा तेजी से सीखते हैं।

सबसे बड़े वेल्थ फंड के सीईओ निकोलाई टैंगेन : निकोलाई अपनी लीडरशिप किताब में अपनी निजी खूबियों से ज्यादा अपनी असिस्टेंट ग्रेटे स्टारहाइम की भूमिका को विस्तार से दर्ज करते हैं। निकोलाई कहते हैं, मैं उस पर आंख मूंदकर भरोसा करता हूं। जब वह कहती है कि मैं गलत हूं, तो मैं अपनी गलती मान लेता हूं। क्या यह स्वीकार करने में कोई शर्म है कि हमें दूसरों की मदद की जरूरत है? कोनन ओ%ब्रायन की हार्वर्ड स्पीच = प्रसिद्ध टीवी होस्ट कोनन ओ%ब्रायन ने हार्वर्ड के दीक्षांत समारोह में कहा था, अगर मैं आज उन सभी लोगों को यहां बुला लूं जिन्होंने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाने में मदद की है, तो पूरा शहर खचाखच भर जाएगा।

मोहन भागवत ने किया इस्कॉन मंदिर का दौरा, लोगों में उत्साह; विरोध करने वाला यूएससीआईआरएफ क्या बोला

अल्बानी, एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका दौरे के बीच न्यूयॉर्क में उनका 26 सेकंड एवेन्यू जाना चर्चा में रहा। यह वही स्थान है जहां स्वामी प्रभुपाद ने इस्कॉन का पहला मंदिर स्थापित किया था। भागवत ने जरूरतमंद और बेघर लोगों के लिए आयोजित भोजन वितरण कार्यक्रम में भी भाग लिया।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच मोहन भागवत ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में 26 सेकंड एवेन्यू का दौरा किया। इसी स्थान पर स्वामी प्रभुपाद ने पहला इस्कॉन मंदिर स्थापित किया था। इस दौरान भागवत ने शहर में बेघर लोगों की मदद के लिए आयोजित भोजन वितरण अभियान में भी हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क के 26 सेकंड एवेन्यू पर इस्कॉन की स्थापना के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर समारोह हो रहा है। वहीं, मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद की अध्यक्ष तेजल शाह ने कहा, यह ऐसा आयोजन है, जो बहुलता, विविधता में एकता और पूरे समुदाय के एक साथ आने का संदेश देता है। हम केवल रक्षाबंधन का त्योहार ही नहीं मना रहे हैं, बल्कि यह भी जता रहे हैं कि समुदाय का हर सदस्य एक-दूसरे के साथ किस तरह संबंध रख सकता है।

न्यूयॉर्क में रक्षाबंधन के कार्यक्रम में शामिल होंगे आरएसएस प्रमुख : तेजल शाह ने आगे कहा, इसके नतीजतन हम आने वाले समय में दुनिया को बेहतर जगह बना सकते हैं। संदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि आगे आएं, मतभेदों को एक तरफ रखें, मानवता के लिए मिलकर काम करें और बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करें। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ मुलाकात करेंगे और रक्षाबंधन के एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

यूएससीआईआरएफ क्यों चाहता है भागवत के साथ बातचीत : लॉस एंजिलिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के साथ खुले संवाद की संभावना पर अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के आयुक्त डॉ. आसिफ महमूद ने कहा, अगर ऐसा कोई अवसर मिलता है तो मैं निश्चित रूप से उनके साथ बैठकर बातचीत करने के लिए तैयार हूं। अगर इसकी व्यवस्था की जा सकती है तो हमें उनके साथ बैठकर बातचीत करने और अधिक जागरूकता पैदा करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा, हो सकता है कि कुछ आश्वासन और गारंटी हों, जो वे दे सकते हैं और इससे हमारी सोच बदल सकती है।

भारतीय पेशेवरों पर संकट: अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था।

आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है।

समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा : अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा।

इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है, जिसका आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण नहीं है और इसे लागू करने की कोई कानूनी समयसीमा नहीं है। मौजूदा नियम के तहत पात्र कर्मचारियों को नौकरी खत्म होने के बाद लगातार 60 दिनों तक या उनके अधिकृत प्रवास की अवधि खत्म होने तक, इनमें से जो अवधि कम हो, उतनी राहत मिल सकती है। एच-1बी लाभार्थियों में सबसे ज्यादा भारतीय इस

अवधि में प्रभावित कर्मचारी ऐसे नए नियोक्ता की तलाश कर सकते हैं, जो उन्हें प्रायोजित करने के लिए तैयार हो। वे अपनी आव्रजन स्थिति में बदलाव के लिए आवेदन कर सकते हैं या अमेरिका छोड़ने की तैयारी कर सकते हैं। यह प्रावधान एच-1बी, एल-1, ओ-1 और कई अन्य अस्थायी रोजगार वीजा धारकों पर लागू होता है।

एच-1बी लाभार्थियों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। ऐसे में अगर प्रशासन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाता है तो भारतीय पेशेवरों के सामने विशेष रूप से अनिश्चितता पैदा हो सकती है। एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईवासी और प्रशांत द्वीपवासी मामलों पर राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य अजय जैन भूटोरिया ने प्रस्तावित बदलाव की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत अवधि को खत्म करने के बजाय बढ़ाया जाना चाहिए।

भारतीय समुदाय ने की प्रस्तावित बदलावों की आलोचना : भूटोरिया ने कहा, मैं गृह सुरक्षा विभाग की इस प्रस्तावित नीति की कड़ी निंदा करता हूं और इसका विरोध करता हूं। 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना अमानवीय और व्यावहारिक रूप से असंभव है। जब किसी उच्च कौशल वाले कर्मचारी को अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी 60 दिन का समय बहुत कम था। इस सुरक्षा को पूरी तरह खत्म करने से हजारों कानून का पालन करने वाले लोगों के पास अपनी जिंदगी समेटने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं बचेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अचानक नौकरी खत्म होने के बाद प्रभावित परिवारों के पास अपना घर, बच्चों की पढ़ाई और अन्य निजी मामलों को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं हो सकता है। भूटोरिया ने कहा कि 2023 में उन्होंने राष्ट्रपति की सलाहकार समिति से राहत अवधि को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश को सर्वसम्मति से मंजूरी दिलाई थी। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में भर्ती प्रक्रिया में अक्सर कई चरणों में साक्षात्कार होते हैं। इसके बाद नए नियोक्ता के पास कर्मचारी की आव्रजन स्थिति स्थानांतरित करने के लिए जरूरी कागजी कार्रवाई भी करनी पड़ती है।

भूटोरिया ने कहा, नौकरी से निकाले गए एच-1बी कर्मचारियों के लिए 60 दिन की राहत अवधि खत्म करना एक बड़ा कदम पीछे जाने जैसा है। जब मैंने मार्च 2023 में राष्ट्रपति की सलाहकार समिति के सामने इस अवधि को बढ़ाकर 180 दिन करने की सिफारिश रखी थी, तो वह कंपनियों में होने वाली भर्ती की वास्तविक स्थिति पर आधारित थी।

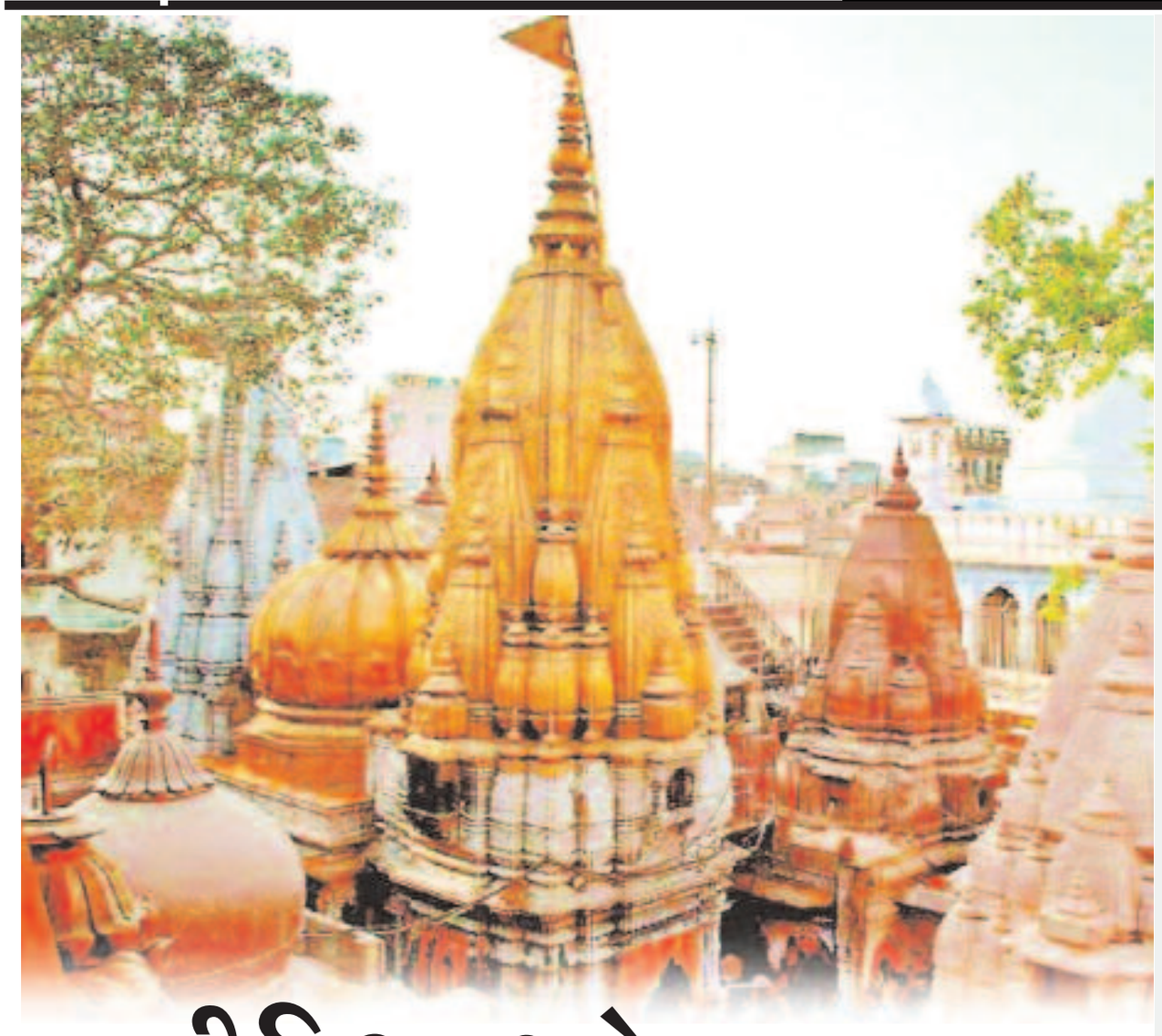

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तपोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्करणी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यत्था की गई है। यह शहर सप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे** :

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

फॉर्मूला 1: मौजूदा चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ बढ़ाया करार

नई दिल्ली। मौजूदा फॉर्मूला 1 चैंपियन लैंडो नॉरिस ने मैकलारेन के साथ अपना करार आगे बढ़ाने का फैसला किया है। वह कम से कम 2030 सीजन के आखिर तक ब्रिटिश टीम के लिए रेस करेंगे। इस डील में 2030 के बाद भी कई साल तक जुड़े रहने का विकल्प शामिल है।

2017 में टीम से जुड़े थे नॉरिस

इस करार के बढ़ने से नॉरिस 'पपाया' (मैकलारेन टीम का उपनाम) के साथ एक दशक से ज्यादा समय तक बने रहेंगे। वह 2017 में टेस्ट और डेवलपमेंट ड्राइवर के तौर पर टीम से जुड़े थे और 2019 में उन्हें ग्रिड पर रेस करने का मौका मिला था। एफ1 की रिपोर्ट के अनुसार, नॉरिस ने कहा, मैं बहुत ज्यादा उत्साहित हूं। फॉर्मूला 1 में मेरे करियर की शुरुआत से ही मैकलारेन मेरा घर रहा है और मैं चाहता हूं कि यह आगे भी ऐसा ही बना रहे। हमारे पिछले कुछ साल बहुत अच्छे रहे हैं और मुझे भरोसा है कि हम आगे भी कई बार ऐसी सफलता हासिल कर सकते हैं। इसलिए मैं यहीं बने रहना चाहता हूं। माना जा रहा था कि नॉरिस की पिछली डील 2027 सीजन के आखिर में खत्म हो जाएगी, लेकिन इस नई डील के साथ वह कम से कम 12 साल तक 'पपाया' के लिए रेस करेंगे। मैकलारेन उन्हें एमसीएल39 कार तोहफे में देगी, जिससे उन्होंने रेस की और 2025 का टाइटल जीता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि आने वाले कई वर्षों तक मैं सुरक्षित महसूस करूंगा क्योंकि मेरे पास नौकरी है। मैं वहीं हूं जहां मैं रहना चाहता हूं और उन लोगों के साथ हूं जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और यह बात मुझे सुकून देती है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने काम पर ध्यान दे सकता हूं और एक टीम के तौर पर हम उस काम पर भी ध्यान दे सकते हैं जो हम करना चाहते हैं। लोग अक्सर नतीजों को ही सबसे अहम मानते हैं और 99 प्रतिशत मामलों में वे अहम होते भी हैं, लेकिन मैं कहूंगा कि इसमें कुछ गुंजाइश भी होती है उन लोगों के साथ होने का फायदा भी मिलता है जिनके साथ मैं रहना चाहता हूं और जिनके साथ अपने करियर का सफर तय करने में मुझे मजा आता है।

भारतीय गेंदबाज को मिला काउंटी क्रिकेट का टिकट, सरे के लिए खेलेंगे कश्मीर के स्टार पेसर

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकीब नबी इंग्लैंड के काउंटी चैंपियनशिप डिविजन-1 में सरे के लिए थोड़े समय के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। नबी को इंग्लैंड जाने का वीजा मिल गया है और वह रविवार को नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होने वाले हैं। सब कुछ ठीक रहा तो वह 2 सितंबर से द ओवल में यॉर्कशायर के खिलाफ शुरू होने वाले मुकाबले में सरे का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी में मचाया था तहलका

औकीब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 60 विकेट हासिल किए थे। उन्होंने 12.56 की औसत से विकेट चटकाकर जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम के भविष्य के लिए एक उपयोगी तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। नबी हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ भारत की 1-0 से टेस्ट सीरीज जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला।

इंग्लैंड में स्विंग गेंदबाजी पर होगी नजर

नबी के काउंटी कार्यकाल का एक अहम उद्देश्य उन्हें इंग्लैंड की तेज गेंदबाजों के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट और राष्ट्रीय चयनकर्ता यह भी देखना चाहते हैं कि नबी इंग्लैंड के मौसम और परिस्थितियों में गेंद को कितना स्विंग करा सकते हैं। आगामी टेस्ट दौरे पर न्यूजीलैंड में भी सीम और स्विंग के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है। ऐसे में लाल कूकाबुरा गेंद से नबी का अनुभव उनके लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सरे के साथ तीन मैच खेलने की संभावना

सरे के लिए नबी का संभावित कार्यकाल 2 सितंबर से शुरू होने वाले यॉर्कशायर के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो सकता है। इसके बाद सरे को 8 सितंबर को होव में ससेक्स और 15 सितंबर को द ओवल में ग्लैमरगन के खिलाफ खेलना है। नबी इन मुकाबलों के लिए भी उपलब्ध रह सकते हैं। सरे की मौजूदा टीम में भारत के लेग स्पिनर राहुल चाहर और अनकैप्ड बल्लेबाजी ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर भी शामिल हैं।

उथप्पा को आईपीएल से मिले थे 3.2 करोड़: अचानक मिले पैसों से डिप्रेशन में गए थे, बोले- आत्महत्या तक के ख्याल आए

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने अपने प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर एक बेहद भावुक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कैसे साल 2008 में मिले उनके पहले 3.2 करोड़ रुपये के आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह तोड़ दिया था।

उथप्पा ने कहा, 21-22 साल की उम्र में इतनी बड़ी रकम (3.2 करोड़ रुपये) मिली, जो उनकी कई पीढ़ियों ने भी नहीं कमाई थी। उनके आस-पास कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जो इतनी बड़ी रकम को संभालने या निवेश करने की सही सलाह दे सके। अचानक मिले इस पैसे ने उनके रिश्तों और फैसलों को बदल दिया। साल 2009 तक आते-आते वे गंभीर अवसाद (क्लिनिकल डिप्रेशन) के शिकार हो गए।

उन्होंने खुलासा किया कि वे साउथ अफ्रीका के एक होटल की 23वीं मंजिल की खिड़की पर बैठकर खुदकुशी करने के विचार से जूझ रहे थे। उस वक्त उनकी करोड़ों की कमाई का कोई मोल नहीं रह गया था। उथप्पा ने आज के युवा एथलीट्स, स्टार्टअप फाउंडर्स और आंत्रप्रेन्योर्स को सीख दी है कि 'पैसा कभी आपकी जीत नहीं होता, बल्कि यह आपकी परीक्षा होता है। उथप्पा ने कहा,मुझे मेरा पहला आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट 2008 में मिला था। मैं सिर्फ 21 साल का था। मैंने कभी सपने में भी इतने पैसों की उम्मीद नहीं की थी। 30 साल की उम्र में भी नहीं, 40 में भी नहीं। शायद कभी भी नहीं। आज मैं हर उस युवा खिलाड़ी, आंत्रप्रेन्योर (उद्यमी) या स्टार्टअप फाउंडर को बताना चाहता हूं, जिसे अचानक बड़ी कामयाबी या पैसा मिलता है जब बहुत सारा पैसा आता है, तो बहुत सारे लोग भी आते हैं। आपके दिमाग में दस लाख विचार आते हैं। उन विचारों से लाखों उलझनें पैदा होती हैं। उन उलझनों से आपसी बातचीत में गलतफहमियां होती हैं और यह सब आपको बहुत ही मुश्किल हालातों में लाकर खड़ा कर देते हैं।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेंनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागे नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानज़ुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम्?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास

ईशान की जगह मिली टीम की कप्तानी!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी रविवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सेंट्रल जोन के खिलाफ दुलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में ईस्ट जोन के कार्यवाहक कप्तान बनकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज इस मैच में उप-कप्तान के तौर पर उतरे थे, लेकिन रेगुलर कप्तान ईशान किशन के चोटिल होने के बाद अचानक उन पर कप्तानी सौंपी गई। किशन के मैदान से बाहर जाने के बाद इस युवा खिलाड़ी ने सेंट्रल जोन की पारी के 19वें ओवर में टीम की कमान संभाली।

शुभमन गिल (19 साल, 334 दिन) ने 2019 दिलीप ट्रॉफी के दौरान इंडिया ब्लू की कप्तानी करते हुए इस प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे कम उम्र में आधिकारिक तौर पर नियुक्त कप्तान बनने का रिकॉर्ड बनाया था।

लेकिन सूर्यवंशी को किशन के चोटिल होने के बाद यह मौका मिला जोकि नियमों के तरह कप्तान के चोटिल होने के बाद उप-कप्तान को मिलने वाली जिम्मेदारी है।

विकेटकीपिंग के दौरान किशन की दाहिनी कलाई पर चोट लगी और टीम के फिजियो ने तुरंत उनका इलाज किया। इसके बाद वे आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर चले गए और बाद में हाथ पर पट्टी बंधवाकर लौटे। झारखंड के उनके साथी खिलाड़ी कुमार कुशग्रा ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। किशन के उपलब्ध न होने पर सूर्यवंशी ने टीम की कप्तानी संभाली, यह सीनियर पुरुष टीम के कप्तान के तौर पर उनका पहला अनुभव था।

यह मौका उन्हें ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाए जाने के कुछ ही हफ्तों बाद मिला जिस पर काफी बहस हुई थी। चयनकर्ताओं ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि यह कदम टीम की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के बजाय उनके लंबे समय के विकास में योगदान देने के लिए उठाया गया था। ईस्ट जोन चयन समिति का हिस्सा रहे झारखंड के चयनकर्ता मनीष वर्धन ने क्रिकइन्फो से कहा था, 'हम सिर्फ वर्तमान के बारे में नहीं सोच रहे हैं।' सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी उनके फर्स्ट-क्लास करियर की शुरुआत में ही मिल गई। सेंट्रल जोन के खिलाफ यह मैच सूर्यवंशी का दूसरा दुलीप ट्रॉफी मैच है। इससे पहले 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू करने के बाद से वे 9 फर्स्ट-क्लास मैच खेल चुके थे।

सूर्यवंशी का पिछला प्रदर्शन

सेमीफाइनल में उनका खेलना टूर्नामेंट में उनके मिले-जुले पहले अनुभव के बाद हुआ। नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ ईस्ट जोन की शुरुआती दौर की जीत के दौरान, सूर्यवंशी अपनी पहली दुलीप ट्रॉफी पारी में सिर्फ आठ रन ही बना पाए थे। हालांकि, बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और दो विकेट लिए, जिससे ईस्ट जोन ने पारी से जीत हासिल की। उनके कुल मिलाकर फर्स्ट-क्लास बैटिंग के आंकड़े बताते हैं कि वे अभी भी अपने विकास के शुरुआती दौर में हैं।सूर्यवंशी ने 9 मैचों में 16.53 की औसत से 215 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। सूर्यवंशी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था। यह मौका उन्हें शानदार ढ्क्कसीजन के बाद मिला जिसमें उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए 776 रन बनाए थे। इसके बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 200 से ज्यादा रन बनाने के कारण उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।